दैनिक
करंट क्राइम
www.currentcrime.com
दिल्ली व गाजियाबाद से एक साथ प्रकाशित
सिर्फ सच...
● नई दिल्ली। मंगलवार 30 दिसम्बर - 2025 ● वर्ष : 11 अंक : 11 पेज - 08 ● RNI NO. DELHIN/2015/65364 ● मूल्य : ₹3

कुलदीप सिंह सेंगर को रिहा न किया जाए
उन्नाव रेप केस में सुप्रीम कोर्ट का आदेश

नई दिल्ली। उन्नाव रेप पीड़िता को सुप्रीम कोर्ट से बड़ी राहत मिली है। सुप्रीम कोर्ट ने कहा कि सेंगर को रिहा न किया जाए। इसके साथ ही सुप्रीम कोर्ट ने उन्नाव रेप केस के आरोपी कुलदीप सेंगर को नोटिस जारी किया है। सेंगर को यह नोटिस सीबीआई की अर्जी पर दिया गया है। सेंगर से चार हफ्ते में जवाब मांगा गया है। सुप्रीम कोर्ट ने दिल्ली हाई कोर्ट के उस आदेश पर रोक लगा दी है, जिसमें 2017 के उन्नाव रेप केस में एक नाबालिग लड़की के साथ रेप के मामले में बीजेपी से निकाले गए नेता कुलदीप सिंह सेंगर की उम्रकैद की सजा को सस्पेंड कर दिया गया था।

हम हाई कोर्ट के आदेश पर रोक लगाने के इच्छुक : तुषार मेहता ने हाई कोर्ट के आदेश पर रोक लगाने की मांग की थी। उन्होंने कहा, हम बच्ची के प्रति जवाबदेह हैं। मेहता ने यह भी बताया कि सेंगर न केवल रेप का दोषी है, बल्कि पीड़िता के पिता की हत्या और अन्य लोगों पर हमले का भी दोषी ठहराया गया है। मुख्य न्यायाधीश ने मौखिक टिप्पणी में कहा कि फिलहाल हम हाई कोर्ट के आदेश पर रोक लगाने के इच्छुक हैं। उन्होंने स्पष्ट किया कि आमतौर पर नियम यह है कि अगर व्यक्ति जेल से बाहर है तो कोर्ट उसकी आजादी नहीं छीनता, लेकिन इस मामले में स्थिति अलग है क्योंकि सेंगर दूसरे केस में अभी भी जेल में है।

पॉक्सो में ह्यपब्लिक सर्वेंट' की परिभाषा साफ नहीं : तुषार मेहता ने कहा कि सेंगर एक बेहद प्रभावशाली विधायक थे और इस मामले में हाई कोर्ट ने गंभीर गलती की है। मेहता ने तर्क दिया कि पॉक्सो एक्ट में ह्यपब्लिक सर्वेंट' की परिभाषा स्पष्ट रूप से नहीं दी गई है, लेकिन इसके तहत परिभाषित किया जाता है।

उन्होंने कहा कि किसी भी कानून में शब्दों की परिभाषा मैकेनिकल तरीके से नहीं की जा सकती, बल्कि संदर्भ के आधार पर देखना होगा। उनके अनुसार, पब्लिक सर्वेंट का मतलब वह व्यक्ति होगा जो बच्चे पर हावी स्थिति में हो।

सीबीआई की क्या दलील : सॉलिसिटर जनरल तुषार मेहता ने कहा कि यह कहकर गलती की गई कि जब अपराध हुआ था, तब विधायक सेंगर एक पब्लिक सर्वेंट नहीं थे, जिन पर ज्यादा गंभीर 'गंभीर पेनिट्रेटिव सेक्शुअल असॉल्ट' के लिए मुकदमा चलाया जाए। प्रावधान कहता है कि जब पुलिस अधिकारी, सशस्त्र बल, पब्लिक सर्वेंट, या शिक्षण संस्थानों/अस्पतालों के कर्मचारियों जैसे खास व्यक्तियों द्वारा पेनिट्रेटिव सेक्शुअल असॉल्ट किया जाता है, तो अपराध गंभीर हो जाता है, जिससे कड़ी सजा मिलती है।

ये डरावना मामला... : सीबीआई की ओर से सॉलिसिटर जनरल तुषार मेहता दलील पेश करते हुए कह रहे हैं कि ये डरावनी घटना है।

हिंदू रक्षा दल वालों ने बांटी तलवारें
पुलिस का बड़ा एक्शन, 16 नामजद पर मुकदमा, 10 गिरफ्तार

गाजियाबाद, करंट क्राइम। सोशल मीडिया के माध्यम से थाना शालीमार गार्डन पुलिस को सोमवार को सूचना प्राप्त हुई कि हिंदू रक्षा दल से जुड़े पदाधिकारी द्वारा तलवारों का वितरण किया जा रहा है। सूचना मिलते ही पुलिस प्रशासन अलर्ट हो गया और मामले को गंभीरता से लेते हुए तत्काल कार्रवाई की गई।

थाना शालीमार गार्डन में इस प्रकरण में 16 नामजद तथा 25झ30 अज्ञात व्यक्तियों के विरुद्ध मुकदमा पंजीकृत किया गया है। पुलिस की सक्रियता के चलते अब तक 10 आरोपियों को गिरफ्तार किया जा चुका है। पुलिस अधिकारियों के अनुसार मामले की विवेचना लगातार जारी है तथा अन्य संलिप्त व्यक्तियों की पहचान कर उनके विरुद्ध भी विधिक कार्रवाई की जाएगी। मौके पर पुलिस बल तैनात है और क्षेत्र में शांति एवं कानून व्यवस्था सामान्य बनी हुई है।

सहायक पुलिस आयुक्त शालीमार गार्डन अतुल कुमार सिंह ने बताया कि कानून व्यवस्था से खिलवाड़ करने वालों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की जा रही है और किसी भी कीमत पर अवैध गतिविधियों को बर्दाश्त नहीं किया जाएगा।

> कानून व्यवस्था से खिलवाड़ करने वालों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की जा रही है और किसी भी कीमत पर अवैध गतिविधियों को बर्दाश्त नहीं किया जाएगा।
> अतुल कुमार सिंह, सहायक पुलिस आयुक्त शालीमार गार्डन

दो महीने से लापता 11 वर्षीय लविश का जंगल में मिला कंकाल, कपड़ों से हुई पहचान, हत्या की आशंका

गाजियाबाद, करंट क्राइम। मसूरी थानाक्षेत्र के गांव समयपुर कटियारा से करीब दो माह से लापता 11 वर्षीय बच्चे का कंकाल रविवार देर शाम जंगल में पड़ा मिला। परिजनों ने कपड़ों के आधार पर बच्चे की शिनाख्त की। परिजनों ने अगवा कर बच्चे की हत्या का आरोप लगाते हुए कार्रवाई की मांग की। पुलिस का कहना है कि फोरेंसिक जांच और पोस्टमार्टम रिपोर्ट से मौत का कारण स्पष्ट होने पर आगे की कार्रवाई की जाएगी। सीमा देवी ने चार नवंबर को मसूरी थाने में गुमशुदगी की रिपोर्ट दर्ज कराई थी। उनका कहना था कि उनका 11 वर्षीय बेटा लविश तीन नवंबर को घर के बाहर खेल रहा था।

दोपहर करीब दो बजे वह संदिग्ध परिस्थितियों में लापता हो गया। काफी देर तक दिखाई न देने पर खोजबीन शुरू की गई। सीमा के मुताबिक सभी संभावित स्थानों पर तलाश करने के बाद भी बेटे का कुछ पता नहीं चला। थक-हारकर उन्होंने मसूरी थाने में शिकायत दी।

पुलिस ने गुमशुदगी दर्ज कर बच्चे की तलाश शुरू कर दी थी। काफी प्रयास के बाद भी बच्चे का कोई सुराग नहीं लग सका। वहीं, 28 दिसंबर की देर शाम नूरपुर-चितौड़ा के जंगल में एक बच्चे का कंकाल पड़ा मिलने से सनसनी फैल गई। ग्रामीणों की सूचना पर मसूरी पुलिस मौके पर पहुंची और जांच की। सीमा ने गुमशुदगी दर्ज कराते समय बताया था कि लापता होने के दौरान लविश ने नीले रंग की टी-शर्ट और हाफ पेंट पहनी हुई थी। उधर, कंकाल में भी टी-शर्ट उलझी हुई थी, जिसके चलते पुलिस ने लविश के परिजनों को सूचना दी। लविश की मां सीमा और बड़े भाई सागर ने कपड़ों के आधार पर पहचान लविश के रूप में की। इसके बाद परिवार में कोहराम मच गया।

ढिंढार गांव में अलाउद्दीन रिटर्न : एसआईआर अभियान का दिखा गजब सीन
जब अब्बा के कागजात लेने के लिए 35 साल बाद लौटा अलाउद्दीन

गाजियाबाद, करंट क्राइम। एसआईआर अभियान ने एक गांव में सबको हैरान कर देने वाला वाक्या पेश कर दिया। एसआईआर अभियान के साईड इफैक्ट सामने आ रहे हैं। बीएलओ कागज मांग रहे हैं और कमाल ये है कि लोग अब कागजों की तलाश में अपनी पुश्तैनी जड़ों की ओर लौट रहे हैं।

मुरादनगर के ढिंढार गांव में पूरा गांव उस समय हैरान रह गया जब 35 साल पहले अपनी पत्नी और दो बच्चों को छोड़कर चला गया अलाउद्दीन वापस लौटा। ये सीन ऐसा था कि अलाउद्दीन को लेकर हर कोई हैरान था क्योंकि 35 साल में जिंदगी की फिल्म में बहुत कुछ बदल चुका था।

ढिंढार गांव के पूर्व प्रधान और भाजपा किसान मोर्चा के वर्तमान महानगर उपाध्यक्ष दिनेश चौधरी ने इस पूरे किस्से को दैनिक करंट क्राइम से साझा किया। उन्होंने बताया कि ढिंढार गांव में अदाउद्दीन उर्फ अल्लो रहता था। उसकी किसी बात पर अपने परिवार से नाराजगी हुई और फिर वो 35 साल पहले अपनी पत्नी और दो बच्चों को छोड़कर चला गया।

अलाउद्दीन की तलाश हुई और वो नहीं लौटा।

इसके बाद अलाउद्दीन की पत्नी अपने दो बच्चों को लेकर अलाउद्दीन के छोटे भाई सलीम के साथ रहने लगी। 35 साल में बहुत कुछ बदल गया। लेकिन एसआईआर अभियान ने 35 साल पहले घर छोड़कर चले गये अलाउद्दीन को घर वापस लौटने पर मजबूर किया। मजबूरी ये थी कि अगर वोटर लिस्ट में नाम दर्ज कराना है तो कागजात दिखाने होंगे।

कागजात तो गांव में हैं और गांव में आये बिना काम चलेगा नहीं। एसआईआर की ये मजबूरी अलाउद्दीन उर्फ अल्लो को गांव ले आई। 35 साल में बहुत कुछ बदलाव हो गया था और जब आलउद्दीन उर्फ अल्लों अपने गांव ढिंढार में अपने पुश्तैनी घर पर पहुंचा तो उसकी पत्नी ने उसे घर में आने से साफ इंकार कर दिया। वहीं अलाउद्दीन ने भी घर का कोई मोह नहीं दिखाया और उसने पूरा जोर अपने वालिद के कागजात लेने पर दिखाया। वो एसआईआर अभियान में वोटर लिस्ट में नाम दर्ज कराने के लिए अपने पिता का रिकार्ड लेने आया था। परिवारवालों ने भी उसे रिकार्ड दे दिया और अलाउद्दीन की पत्नी ने उससे साफ कह दिया कि घर में मत घुस जाना। अलाउद्दीन ने भी घर को लेकर कोई इंटरेस्ट नहीं दिखाया और परिवारवालों ने भी उसे ज्यादा पास नहीं बिठाया। एसआईआर अभियान की ये ताकत थी कि 35 साल बाद अलाउद्दीन घर लौटा और अपने पिता के कागजात लेकर फिर वापस चला गया। 20 साल बाद की कहानी तो सबने सुनी होगी लेकिन किसी के 35 साल बाद जीवित लौट आने की कहानी और उससे बड़ी कहानी ये कि वो लौटा भी है तो वो वोटर लिस्ट में नाम दर्ज कराने के लिए अपने अब्बा के कागजात लेने के लिए। 35 साल बाद अलाउद्दीन रिटर्न का किस्सा ढिंढार से लेकर आस-पास के गांवों में गूंज रहा है।

भाजपा नेता दिनेश चौधरी ने बताया 35 साल पहले छोड़ दिया था अलाउद्दीन ने गांव

करंट क्राइम। ढिंढार गांव के पूर्व प्रधान और भाजपा किसान मोर्चा के वर्तमान महानगर उपाध्यक्ष दिनेश चौधरी ने इस पूरे किस्से को दैनिक करंट क्राइम से साझा किया। उन्होंने बताया कि ढिंढार गांव में अदाउद्दीन उर्फ अल्लो रहता था। उसकी किसी बात पर अपने परिवार से नाराजगी हुई और फिर वो 35 साल पहले अपनी पत्नी और दो बच्चों को छोड़कर चला गया।

गमगीन माहौल में अश्रुपूरित नेत्रों से दी गई स्वर्गीय लक्ष्मी नारायण और स्वर्गीय गरिमा सिंह को श्रद्धांजलि
करंट क्राइम परिवार के सदस्य गौरव शशि नारायण के गम में शामिल हुए सभी शहरवासी

गाजियाबाद, करंट क्राइम। मृत्यु जीवन का शास्वत सत्य है। लेकिन मृत्यु का एक समय तय होता है। मृत्यु की एक आयु तय होती है और मृत्यु कभी भी इतनी क्रूर ना हो कि जैसे वो गौरव शशि नारायण के पिता स्वर्गीय लक्ष्मी नारायण और गौरव शशि नारायण की धर्मपत्नी गरिमा सिंह के लिए हुई। 16 दिसम्बर की वो मनहूस सुबह कभी नहीं भुलाई जा सकती, जिस दिन वरिष्ठ पत्रकार और दैनिक करंट क्राइम परिवार के सदस्य गौरव शशि नारायण पर दुखों का पहाड़ टूट पड़ा। पूरा परिवार 16 दिसम्बर की सुबह हंसी-खुशी उठा और सबकुछ सामान्य था। अचानक गौरव शशि नारायण के पिता लक्ष्मी नारायण को हार्टअटैक आ गया। परिवार अभी उन्हें संभालता कि अचानक ही अपने ससुर की हालत देखकर गौरव शशि नारायण की धर्मपत्नी गरिमा सिंह की भी हालत बिगड़ गई और उन्हें भी अटैक आ गया। घर के सदस्य दोनों को लेकर तत्काल ही अस्पताल के लिए चले। लेकिन क्रूर अनहोनी ने दोनों को असमय ही छीन लिया। हंसते खेलते परिवार में कोहराम मंच गया। सर्वोदय अस्पताल में डॉक्टर्स ने लक्ष्मी नारायण और गरिमा सिंह को मृत घोषित कर दिया। एक परिवार के लिए इससे अधिक दुखदायी कुछ नहीं हो सकता। वरिष्ठ पत्रकार, करंट क्राइम परिवार के सदस्य गौरव शशि नारायण के लिए ये सबसे अधिक दुख की घड़ी थी। ऐसे समय में उन्होंने खुद को संभाला और अपने परिवार को संभाला। मासूम बेटे शिवांश की ओर देखा और फिर मानों उन्होनें एक संकल्प लिया कि दुख की इस विपदा को साहसपूर्वक पार करना है। जिसने भी ये समाचार सुना वो ही गम में डूब गया। किसी को ये यकीन ही नहीं हो रहा था कि बेहद मिलनसार स्वभाव के पत्रकार दैनिक करंट क्राइम के वरिष्ठ संवाददाता गौरव शशि नारायण पर यह क्रूर कहर टूटा है। उनकी पत्नी गरिमा और उनके पिता लक्ष्मी नारायण दुनिया में नहीं रहे। 16 दिसम्बर को ये हादसा हुआ और लखनऊ झांसी, बांदा से सभी रिश्तेदारों और परिजनों के आने का इंतजार किया गया। 17 दिसम्बर की सुबह स्वर्गीय लक्ष्मी नारायण और स्वर्गीय गरिमा सिंह का अंतिम संस्कार हिंडन मोक्ष स्थल पर किया गया। बेहद दुखद गमगीन माहौल में गौरव शशि नारायण ने अपने पिता स्वर्गीय लक्ष्मी नारायण और अपनी पत्नी गरिमा सिंह को मुखाग्नि दी। 29 दिसम्बर सोमवार को इम्पीरियर फार्म हाउस में स्वर्गीय लक्ष्मी नारायण और स्वर्गीय गरिमा सिंह की शोक सभा आयोजित की गई।

शोकसभा में भी शोक व्यक्त करने पहुंचे गणमान्य व्यक्तियों की भी आंखों नम हो गईं। गम में डूबे कई लोग तो शब्दों के जरिए शोक भी व्यक्त नहीं कर सके। उन्होंने हाथ जोड़ कर इतना ही कहा कि ईश्वर ऐसी दुखद घड़ी किसी के जीवन में ना दे। गमगीन माहौल में शोकसभा आयोजित हुई। पुलिस, प्रशासन, राजनीति, व्यापार जगत, उद्योग जगत और पत्रकारिता जगत के गणमान्य लोग पहुंचे। सभी ने बेहद दुख जताते हुए दिवंगत आत्माओं की शांति के लिए प्रार्थना की। शोकसभा में मंच संचालन पूर्व सीनियर पार्षद राजेन्द्र त्यागी ने किया।

शोकसभा में दिवंगत आत्माओं की शांति के लिए गायत्री मंत्र का जब किया गया और दो मिनट का मौन रखा गया। दैनिक करंट क्राइम परिवार शोक की इस घड़ी में अपने साथी, परिवार के सदस्य गौरव शशि नारायण के साथ हैं।

दैनिक करंट क्राइम परिवार दुख की इस घड़ी में उन सभी का आभार व्यक्त करता है जो करंट क्राइम परिवार के सदस्य पर आये इस अपार दुख में शोक संवेदना, सांत्वना के साथ रहे। शब्दों के जरिए आपके आभार को व्यक्त नहीं किया जा सकता। शोक संवेदनाओं के साथ ही दुख को प्रकट किया जा सकता है। ईश्वर की मर्जी के समक्ष कुछ नहीं चलता है।

मेरठ में भाजपा प्रदेश अध्यक्ष का विपक्ष पर हमला बोले—भाजपा अध्यक्ष का कद अखिलेश से बड़ा

मेरठ। पश्चिमी यूपी के दौरे पर मेरठ पहुंचे भाजपा के नए प्रदेश अध्यक्ष ने विपक्षी दलों पर हमला बोला। उन्होंने कहा कि बिहार का हाल देख यूपी में जातिवादी राजनीति करने वाले दल बेचैन हैं। उन्होंने अखिलेश यादव पर भी तंज किया। उन्होंने कहा कि भाजपा के प्रदेश अध्यक्ष का कद सपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष से भी बड़ा है।

मेरठ में ताजपोशी के बाद पहली बार पश्चिमी यूपी के दौरे पर मेरठ पहुंचे भाजपा के प्रदेश अध्यक्ष पंकज चौधरी ने कार्यकताओं में जोश भरते हुए सपा-बसपा और कांग्रेस पर जमकर निशाना साधा। चौधरी ने कहा कि यूपी विपक्ष विहीन हो गया है। बिहार में पतन के बाद जातिवादी राजनीति करने वाली पार्टियां सकते में हैं।

सपा प्रमुख अखिलेश यादव पर तंज किया कि भाजपा के प्रदेश अध्यक्ष का कद सपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष से बड़ा होता है। कहा कि बैट का निर्यात करने वाली मेरठ की धरती से ही 2027 के विधानसभा चुनाव की क्रांति होगी और भाजपा को तीसरी बार फिर प्रचंड बहुमत मिलेगा।

एनएच-58 कंकरखेड़ा बाईपास स्थित ईवाया रिसॉर्ट्स में संगठनात्मक बैठक में भाजपा के प्रदेश अध्यक्ष पंकज चौधरी का पूरा जोर कार्यकताओं को उत्साहित करने पर रहा। सपा मुखिया अखिलेश यादव को उन्होंने घेरने की कोशिश की।

उनका कहना था कि सपा अध्यक्ष अखिलेश कहते हैं कि भाजपा में सात बार के सांसद प्रदेश अध्यक्ष, तो चार बार के विधायक को कार्यकारी राष्ट्रीय अध्यक्ष बनाया गया है। उनको मैं बताना चाहता हूं कि सिर्फ भाजपा ही इकलौती ऐसी पार्टी है, जहां कार्यकर्ता को सीधे प्रदेश अध्यक्ष और राष्ट्रीय अध्यक्ष बनाया जाता है। लेकिन सपा, कांग्रेस, बसपा, तृणमूल कांग्रेस, डीएमके जैसी पार्टियों में प्रदेश या राष्ट्रीय अध्यक्ष बनने के लिए कार्यकताओं को पुनर्जन्म लेना पड़ता है। उन्होंने कहा कि दिल्ली में संसद सत्र के दौरान कार्यकताओं से मिलने के लिए मैं आतुर रहा। बीच में समय निकाल कर कार्यकताओं से मिला। मंडल अध्यक्ष व बूथ कार्यकताओं के बल पर ही मैं सातवीं बार सांसद बना।

'कार्यकर्ताओं के कंधे से कंधा मिलाकर चलूंगा'

मैं वचन देता हूं कि किसी भी परिस्थिति में कार्यकताओं के कंधे से कंधा मिलाकर चलूंगा। उन्होंने कहा कि पश्चिम क्षेत्र में कार्यकताओं का अपार स्नेह मिल रहा है। पद कोई छोटा या बड़ा नहीं होता। मैं केंद्र में मंत्री बनने के लिए भी कहीं नहीं गया और प्रदेश अध्यक्ष बनने के लिए भी कहीं पर नहीं गया। काम को देखकर पार्टी ने जिम्मेदारी दी है। पार्टी जो भी काम सौंपे, उस दायित्व को निभाएं। पार्टी स्वयं आपकी चिंता करेगी।

अरावली मामले में सुप्रीम कोर्ट ने अपने ही फैसले पर लगाई रोक, केंद्र-राज्यों को नोटिस

भिवानी। सर्वोच्च न्यायालय ने अरावली मामले में 20 नवंबर को दिए गए अपने ही फैसले पर फिलहाल रोक लगा दी है। यह आदेश मुख्य न्यायाधीश सूर्यकांत की अध्यक्षता वाली तीन सदस्यीय पीठ द्वारा सोमवार को पारित किया गया।

अरावली पर्वतमाला के संरक्षण को लेकर चल रहे जनसंघर्ष के बीच महत्वपूर्ण घटनाक्रम सामने आया है। सर्वोच्च न्यायालय ने अरावली मामले में 20 नवंबर को दिए गए अपने ही फैसले पर फिलहाल रोक लगा दी है। यह आदेश मुख्य न्यायाधीश सूर्यकांत की अध्यक्षता वाली तीन सदस्यीय पीठ द्वारा सोमवार को पारित किया गया। सुप्रीम कोर्ट ने इस मामले में केंद्र सरकार और संबंधित राज्य सरकारों को नोटिस जारी कर जवाब तलब किया है। कोर्ट ने स्पष्ट किया है कि जब तक प्रस्तावित हाई-पावर्ड एक्सपर्ट कमेटी का गठन नहीं हो जाता, तब तक समिति की सिफारिशों और न्यायालय के पूर्व निदेशों पर स्थगन प्रभावी रहेगा। इस मामले की अगली सुनवाई के लिए 21 जनवरी को निर्धारित की गई है। अरावली संरक्षण के लिए लंबे समय से संघर्ष कर रहे पर्यावरणविद् और सामाजिक कार्यकर्ता डॉ. लोकेश भिवानी ने सुप्रीम कोर्ट के इस फैसले को जनता और पर्यावरण की बड़ी जीत बताया है।

उन्होंने कहा कि यह निर्णय साबित करता है कि यदि जनता जागरूक हो, तथ्य आधारित संघर्ष करे और संविधान व पर्यावरण के पक्ष में आवाज उठाए, तो व्यवस्था को भी सोचना पड़ता है। सुप्रीम कोर्ट का यह कदम अरावली को बचाने की दिशा में एक ऐतिहासिक मोड़ है। डॉ. लोकेश भिवानी ने कहा कि यह संघर्ष केवल एक पर्वतमाला का नहीं, बल्कि जल, हवा, जैव-विविधता और आने वाली पीढ़ियों के अस्तित्व का प्रश्न है।

डॉ. लोकेश ने स्पष्ट किया कि यह केवल एक अस्थायी राहत है, अंतिम जीत नहीं।

सवालों की गहराई पर हो जांच: सुप्रीम कोर्ट

सुनवाई के दौरान मुख्य न्यायाधीश ने कहा कि अदालत यह आवश्यक मानती है कि रिपोर्ट का समग्र आकलन किया जाए और उठाए गए गंभीर सवालों की गहराई से जांच हो। इसके लिए एक उच्चस्तरीय विशेषज्ञ समिति गठित करने का प्रस्ताव दिया गया है। यह समिति उन क्षेत्रों की विस्तृत पहचान करेगी जिन्हें अरावली क्षेत्र से बाहर रखने का प्रस्ताव है। यह आकलन करेगी कि ऐसे किसी भी निर्णय से अरावली पर्वतमाला को पर्यावरणीय नुकसान या दीर्घकालिक खतरा तो नहीं होगा। कोर्ट ने यह भी संकेत दिया कि अरावली जैसी प्राचीन और संवेदनशील पारिस्थितिकी को लेकर किसी भी प्रकार का निर्णय वैज्ञानिक, पर्यावरणीय और जनहित के व्यापक दृष्टिकोण से ही लिया जाना चाहिए।

दिल्ली-एनसीआर में कोहरा और जहरीली स्मॉग का डबल अटैक, AQI गंभीर, उड़ानें रद्द

नई दिल्ली। दिल्ली समेत पूरे एनसीआर में ठंड, कोहरे का असर साफ देखने को मिल रहा है। लेकिन वहीं दूसरी तरफ राजधानी प्रदूषण की चपेट में भी है। सड़कों पर आज घना कोहरा और जहरीली स्मॉग छाई हुई है। जिससे विजिबिलिटी बुरी तरह प्रभावित हो रही है।

दिल्ली समेत एनसीआर में आज सुबह से ही घना कोहरा और जहरीली स्मॉग की परत छाई हुई है, जिससे शहर में विजिबिलिटी बुरी तरह प्रभावित हो रही है। कार्तव्य पथ के आसपास के इलाके में प्रदूषण इतना घना है कि लोग सिर्फ हेडलाइट्स की रोशनी से ही ड्राइविंग कर पा रहे थे। सीपीसीबी के अनुसार, यहां एक्यूआई 401 दर्ज किया गया है। जो खतरनाक स्थिति में है। इसके अलावा इंदिरा गांधी इंटरनेशनल एयरपोर्ट पर ठंडी लहरों के कारण घना कोहरा है, जिससे कई फ्लाइट्स में देरी हो रही है। कुछ फ्लाइट्स कैंसल भी हो सकती हैं। एयरपोर्ट अथॉरिटी ने पैसेंजर्स को सलाह दी है कि वे अपनी फ्लाइट स्टेटस चेक करें। ये हालात दिल्ली-एनसीआर में सर्दियों के दौरान आम हैं, जहां प्रदूषण और कोहरे के मिलने से जहरीली स्मॉग बन जाती है। ग्रेटर नोएडा में घना कोहरा छाया हुआ है। जिसकी वजह से वाहनों की रफ्तार धीमी हो गई है। वहीं एक्यूआई 400 के पास पहुंच गया है।

दिल्ली में कोहरे के चलते 128 फ्लाइट कैंसिल : घने कोहरे के चलते दिल्ली एयरपोर्ट पर कम से कम 128 फ्लाइट कैंसिल कर दी गई हैं। वहीं दूसरी तरफ आठ को डायवर्ट किया गया है।

दिल्ली में 22 स्टेशनों पर एक्यूआई गंभीर

दिल्ली में सोमवार को वायु गुणवत्ता सूचकांक यानी एक्यूआई 402 तक पहुंच गया, जो गंभीर श्रेणी में आता है। केंद्रीय प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड के अनुसार, 22 स्टेशनों पर एक्यूआई गंभीर, 14 स्टेशनों पर बहुत खराब और एक स्टेशन पर खराब श्रेणी में दर्ज किया गया। पूर्वी दिल्ली के विवेक विहार में एक्यूआई 456 पहुंच गया, जो सभी स्टेशनों में सबसे अधिक था। तीन स्टेशनों का डेटा उपलब्ध नहीं था।

महाकालेश्वर मंदिर में श्रद्धा की रिकॉर्ड बारिश 2025 में 5.5 करोड़ दर्शन, 100 करोड़ से ज्यादा दान

उज्जैन। विश्व प्रसिद्ध ज्योतिर्लिंग महाकाल मंदिर साल 2025 मे भी देश-विदेश के आस्थावानों का प्रमुख केंद्र रहा। एक जनवरी 2025 से अब तक 5.5 करोड़ दर्शनार्थियों ने बाबा महाकाल के दर्शन किए। इसी के साथ मंदिर में 100 करोड़ रुपये से अधिक का दान भी आया। करीब 13 करोड़ रुपये का सोना-चांदी भी भेंट के रूप में प्राप्त हुआ है। कुल मिलाकर यह गत वर्ष की तुलना में अधिक है। बीते वर्ष 92 करोड़ रुपये दान के रूप में प्राप्त हुए थे। 12 ज्योतिर्लिंग में से एक बाबा महाकाल का धाम लाखों करोड़ों श्रद्धालुओं की आस्था का खास केंद्र है। वर्ष 2025 में बाबा महाकाल के धाम में धन वर्षा का हैरान कर देने वाला आंकड़ा सामने आया है। एक अरब रुपये से अधिक का दान मंदिर समिति को वर्ष भर में अलग-अलग माध्यमों से मिला है। मंदिर समिति के अनुसार एक जनवरी 2025 से 15 दिसंबर 2025 तक 5.50 करोड़ श्रद्धालुओं ने साल भर में यह दान राशि अलग-अलग माध्यमों से दी है। प्रत्येक वर्ष श्री महाकालेश्वर प्रबंध समिति के द्वारा यह आंकड़ा मंदिर समिति द्वारा जारी किया जाता है। महाकाल महालोक बनने के बाद से लगातार दान में भी बढ़ोतरी हुई है। यह सभी दान राशि श्रद्धालुओं की सुरक्षा सुविधा सुगम दर्शन व्यवस्थाओं में उपयोग में ली जाती है।

बाबा महाकाल का दरबार : मंदिर समिति अध्यक्ष और कलेक्टर रोशन कुमार सिंह ने बताया की साल भर में जो सावन का महीना था।

योगी आदित्यनाथ का सख्त संदेश: अवैध कब्जाधारियों पर कड़ी कार्रवाई, जनता दर्शन में त्वरित समाधान के निर्देश

गोरखपुर। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने गोरखनाथ मंदिर में 'जनता दर्शन' के दौरान अवैध कब्जा करने वाले माफियाओं के खिलाफ सख्त कार्रवाई के निर्देश दिए. उन्होंने जनता को हर समस्या के समाधान का भरोसा दिलाते हुए अधिकारियों को जमीन विवादों और इलाज के लिए वित्तीय सहायता के मामलों का त्वरित निपटारा करने को कहा यूपी के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने सोमवार को अधिकारियों को अवैध रूप से जमीन पर कब्जा करने वाले 'बाहुबलियों और माफियाओं' के खिलाफ सख्त कार्रवाई करने का निर्देश दिया।

मुख्यमंत्री ने ये निर्देश गोरखनाथ मंदिर में 'जनता दर्शन' कार्यक्रम के दौरान लोगों की शिकायतें सुनते हुए दिए. उन्होंने जनता को भरोसा दिलाया कि सरकार जबरदस्ती संपत्ति पर कब्जा करने वाले किसी भी व्यक्ति को नहीं बख्शेगी। एक आधिकारिक बयान के अनुसार, मुख्यमंत्री ने महंत दिग्विजयनाथ स्मृति भवन ऑडिटोरियम में लोगों से मुलाकात की. उन्होंने आगंतुकों से बातचीत की, उनके आवेदन संबंधित अधिकारियों को सौंपे और उन्हें सभी मामलों का गुणवत्तापूर्ण और संतोषजनक निपटारा सुनिश्चित करने का निर्देश दिया।

यूपी पुलिस मंथन में उट योगी के सख्त निर्देश, बोले- अपराधियों में डर और जनता में भरोसा बढ़ाना मुख्य लक्ष्य योगी आदित्यनाथ ने शिकायतकताओं से कहा, चिंता न करें. हर समस्या का समाधान किया जाएगा. सरकार हर संभव मदद करेगी. जमीन से जुड़े विवादों के लिए, उन्होंने अधिकारियों को सख्त कानूनी कार्रवाई करने का निर्देश दिया. पारिवारिक विवादों के मामलों में, मुख्यमंत्री ने अधिकारियों से दोनों पक्षों से बात करके सौहार्दपूर्ण समाधान खोजने के लिए कहा इलाज के लिए वित्तीय सहायता मांगने वाले आवेदनों पर, मुख्यमंत्री योगी ने आश्वासन दिया कि फंड की कमी स्वास्थ्य सेवा में बाधा नहीं बनेगी। बयान में कहा गया है कि उन्होंने अधिकारियों को अस्पताल के अनुमानों को तेजी से तैयार करने और मुख्यमंत्री विवेकाधीन कोष से सहायता के लिए सरकार को भेजने का निर्देश दिया।

नए साल पर वाराणसी में रूट डायवर्जन नमो घाट और गंगा घाटों की ओर वाहनों पर रोक

वाराणसी। नए साल पर शहर में यातायात दबाव और जाम को देखते हुए यातायात पुलिस ने रूट डायवर्जन का प्लान तैयार किया है। नमो घाट पर भीड़ बढ़ने पर यह प्लान लागू किया जाएगा। सोमवार (29 दिसंबर) से पांच जनवरी तक पड़ाव चौराहे से राजघाट पुल पर तीन और चार पहिया वाहन नहीं जा सकेंगे। इन वाहनों को नमो घाट की तरफ जाने से रोका गया है। गंगा घाटों की ओर जाने वाले मार्गों पर किसी भी तरह के वाहनों की आवाजाही नहीं होगी। भीड़ की दशा में काशी विश्वनाथ मंदिर के लिए डायवर्जन प्लान लागू किया गया है।

एडीसीपी यातायात अंशुमान मिश्रा ने बताया कि आगामी नव वर्ष को देखते हुए नमो घाट पर भीड़ बढ़ने पर डायवर्जन लागू किया जाएगा। पड़ाव से राजघाट की तरफ किसी प्रकार का कोई गतिविधि बंद नहीं किया जाएगा, यदि नमो घाट की तरफ आवश्यकता से अधिक दबाव होता है तो इस दशा में अंतिम विकल्प के रूप में डायवर्जन का प्रयोग किया जा सकता है। फिलहाल सभी वाहन पहले की तरह ही संचालित किए जाएंगे।

एडीसीपी यातायात अंशुमान मिश्रा ने बताया कि भीड़ बढ़ने पर अमर उजाला जगतगंज तिराहे, लहुराबीर, मैदागिन, विशेश्वरगंज व गोलगड्डा तक किसी भी प्रकार के चार पहिया बड़े वाहन (आर्मेनिया, टेंपो ट्रेवलर) आदि का संचालन नहीं होगा। वाहनों को लकड़मंडी, तेलियाबाग की तरफ डायवर्ट किया जाएगा। रविंद्रपुरी स्थित बाबा कीनाराम मठ, ब्रॉडवे तिराहा, अग्रवाल तिराहा, सोनारपुरा व गोदौलिया की तरफ किसी भी प्रकार के चार पहिया बड़े वाहन आदि का संचालन नहीं होगा। गोलगड्डा से वाहनों को विशेश्वरगंज की तरफ नहीं जाने दिया जाएगा। इन वाहनों को राजघाट की तरफ डायवर्ट किया जाएगा। भेलूपुर से सोनारपुरा की तरफ किसी भी वाहन को नहीं जाने दिया जाएगा।

नमो घाट: गोलगड्डा तिराहे से नहीं जा सकेंगे वाहन

सूजाबाद पड़ाव चौराहे से किसी भी प्रकार के चार और तीन पहिया वाहन राजघाट की तरफ नहीं जाएंगे। इन वाहनों को पड़ाव व रामनगर की तरफ डायवर्ट किया जाएगा। गोलगड्डा तिराहे से नमो घाट की तरफ किसी भी प्रकार के चार पहिया वाहन नहीं जाने दिया जाएगा। इन वाहनों को लकड़मंडी की तरफ डायवर्ट किया जाएगा।

अस्सी और रविदास घाट के लिए डायवर्जन प्लान

एडीसीपी यातायात ने बताया कि बैंक ऑफ बड़ौदा तिराहा से अस्सी की तरफ किसी भी प्रकार के चार पहिया वाहन नहीं जाने दिया जाएगा। इन वाहनों को रविदास गेट की तरफ डायवर्ट किया जाएगा। नगवा चौराहा से किसी भी प्रकार के वाहन को रविदास घाट, अस्सी घाट की तरफ नहीं जाने दिया जाएगा। इन वाहनों को ट्रॉमा सेंटर की तरफ डायवर्ट किया जाएगा। पद्मश्री चौराहे से किसी भी प्रकार के वाहन को अस्सी की तरफ नहीं जाने दिया जाएगा। इन वाहनों को रविन्द्रपुरी की तरफ डायवर्ट किया जाएगा।

देहरादून छात्र हत्याकांड: राहुल गांधी का हमला बोले—नफरत को सामान्यं बना रही भाजपा

देहरादून। देहरादून में त्रिपुरा के छात्र एंजेल चकमा की हत्या को लेकर राहुल गांधी और कपिल सिब्बल ने इसे नफरती अपराध बताते हुए भाजपा और केंद्र सरकार की चुप्पी पर सवाल उठाए हैं। उन्होंने इसकी कड़ी निंदा की है। मामले में पुलिस ने पांच आरोपियों को गिरफ्तार किया है, जबकि मुख्य आरोपी अभी फरार है।

उत्तराखंड की राजधानी देहरादून में त्रिपुरा के छात्र एंजेल चकमा की हत्या के मामले ने अब बड़ा राजनीतिक रूप ले लिया है। इस घटना को लेकर विपक्ष ने केंद्र सरकार और भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) पर तीखा हमला बोला है। लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी और राज्यसभा सांसद कपिल सिब्बल ने इसे 'नफरती अपराध' करार देते हुए सरकार की चुप्पी पर सवाल उठाए हैं।

लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी ने एंजेल चकमा की हत्या की कड़ी निंदा की है। उन्होंने सोमवार को भाजपा पर हमला बोलते हुए कहा कि सत्ताधारी पार्टी ने नफरत को सामान्य बना दिया है, जिसकी वजह से ऐसी घटनाएं हो रही हैं।

क्या है पूरा मामला?

पुलिस के मुताबिक, यह घटना 9 दिसंबर को देहरादून के सेलाकुई बाजार में हुई थी। त्रिपुरा के उनाकोटी जिले के रहने वाले एंजेल चकमा और उनके भाई माइकल का कुछ लोगों से झगड़ा हुआ था। इस दौरान आरोपियों ने उन पर चाकू और पीतल के नकल से हमला किया। इस हमले में 24 वर्षीय एंजेल चकमा गंभीर रूप से घायल हो गए थे। इसके बाद 26 दिसंबर को अस्पताल में इलाज के दौरान एंजेल की मौत हो गई।

कपिल सिब्बल की अमित शाह से अपील

वहीं, राज्यसभा सांसद कपिल सिब्बल ने भी इस मुद्दे पर केंद्र सरकार को घेरा है। उन्होंने केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह से अपील की कि वे नफरत भरे अपराधों के खिलाफ अपनी आवाज उठाएं। सिब्बल ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर लिखा, एंजेल चकमा की हत्या नफरत भरे अपराध और कट्टरता का एक चौंकाने वाला उदाहरण है। यह मामला सरकार और उन नेताओं की चुप्पी का सबूत भी है, जो अपनी निष्क्रियता से इसमें शामिल हैं।' सिब्बल ने गृह मंत्री अमित शाह से नफरत भरे अपराधों के खिलाफ आवाज उठाने की अपील भी की।

पिता ने लगाया आरोप

एंजेल के पिता तरुण चकमा, जो सीमा सुरक्षा बल (बीएसएफ) में तैनात हैं, ने आरोप लगाया कि हमलावरों ने उनके बेटे को 'चीनी मोमो' कहकर नस्लीय गालियां दीं। जब एंजेल ने विरोध करते हुए कहा कि वह भी भारतीय है, तो उस पर हमला कर दिया गया। हालांकि, पुलिस ने नस्लीय हमले के एंगल से इनकार किया है। देहरादून एसएसपी अजय सिंह ने तर्क दिया कि आरोपियों में से एक खुद मणिपुर का रहने वाला है।

उन्नाव दुष्कर्म मामला: सुप्रीम कोर्ट ने कुलदीप सेंगर को नोटिस जारी किया, हाईकोर्ट आदेश पर रोक

नई दिल्ली। सुप्रीम कोर्ट में आज उन्नाव दुष्कर्म मामले में दोषी पाए गए भाजपा के पूर्व विधायक कुलदीप सिंह सेंगर के मुकदमे पर सुनवाई हुई। शीर्ष अदालत की पीठ ने सेंगर को नोटिस जारी कर जवाब मांगा है। सुनवाई के दौरान पीठ ने कहा कि दिल्ली हाईकोर्ट के आदेश पर फिलहाल रोक लगाई जाती है। मुख्य न्यायाधीश सूर्यकांत और न्यायमूर्ति जेके माहेश्वरी और ऑगस्टीन जॉर्ज मसीह की पीठ में सुनवाई के दौरान सीबीआई की ओर से पेश हुए सॉलिसिटर जनरल तुषार मेहता ने उच्च न्यायालय के आदेश पर रोक लगाने की अपील की। पीठ ने कहा कि वह इस मामले की जांच करेगी क्योंकि इस मुकदमे पर विचार करना आवश्यक है। शीर्ष अदालत ने साफ किया कि कि उच्च न्यायालय के 23 दिसंबर के आदेश के आधार पर सेंगर को हिरासत से रिहा नहीं किया जाएगा।

चार हफ्ते बाद होगी सुनवाई

मामले की सुनवाई चार सप्ताह करने की बात कहते हुए सुप्रीम कोर्ट की बेंच ने कहा, इस मामले में महत्वपूर्ण कानूनी प्रश्नों पर विचार किया जाना है। सुनवाई के दौरान सॉलिसिटर जनरल तुषार मेहता ने कहा, ये मामला बच्ची के साथ भयावह दुष्कर्म का है। दोषी पर आईपीसी की धारा 376 और पॉक्सो कानून की धारा पांच और छह के तहत आरोप तय किए गए हैं। अदालत ने इस बात को नोट किया कि अपराध के समय पीड़िता की आयु 15 साल 10 माह थी। तमाम दलीलों को सुनने के बाद चीफ जस्टिस सूर्यकांत ने कहा, हम हाईकोर्ट के फैसले पर रोक लगाने के पक्ष में हैं।

सेंगर के खिलाफ सीबीआई की याचिका

गौरतलब है कि सुप्रीम कोर्ट में चीफ जस्टिस की अगुवाई वाली पीठ ने आज केंद्रीय जांच ब्यूरो की याचिका पर सुनवाई की। इसमें दिल्ली हाईकोर्ट द्वारा कुलदीप सिंह सेंगर की उम्रकैद की सजा निलंबित करने के फैसले को चुनौती दी गई थी। बता दें कि दिल्ली हाईकोर्ट ने 23 दिसंबर को सेंगर की उम्रकैद की सजा निलंबित कर दी थी, जिसके बाद सीबीआई ने इस फैसले के खिलाफ शीर्ष अदालत का रुख किया। पीड़ित पक्ष का बयान- सुप्रीम कोर्ट पर पूरा भरोसा

इससे पहले उन्नाव दुष्कर्म पीड़िता और उसकी मां ने रविवार को जंतर मंतर पर कुलदीप सिंह सेंगर को मिली जमानत के खिलाफ प्रदर्शन किया। इस दौरान प्रदर्शनकारी बड़ी संख्या में हाथों में बैनर व तख्तियां लिए पहुंचे।

सेंगर को हाईकोर्ट से किस आधार पर मिली राहत

बता दें कि दिल्ली हाईकोर्ट ने अपने आदेश में कहा था कि दोषसिद्धि और सजा को चुनौती देने वाली अपील के लंबित रहने तक सेंगर की सजा निलंबित रहेगी। हाईकोर्ट ने इस बात को रेखांकित किया था कि सेंगर पहले ही सात साल, पांच महीने की अवधि जेल में बिता चुका है। बता दें कि दोषी करार दिए गए पूर्व भाजपा विधायक ने दिसंबर 2019 के निचली अदालत के फैसले को चुनौती दी थी। फिलहाल, इस मामले में भाजपा से निष्कासित नेता जेल में ही रहेंगे क्योंकि वह पीड़ित के पिता की हिरासत में मौत के मामले में भी 10 साल की सजा काट रहे हैं। अदालत ने इस मामले में उन्हें जमानत नहीं दी है। बता दें कि उन्नाव दुष्कर्म और इससे जुड़े अन्य मामले 1 अगस्त, 2019 को सर्वोच्च न्यायालय के निर्देश पर उत्तर प्रदेश की एक निचली अदालत से दिल्ली स्थानांतरित कर दिए गए थे।

और भी याचिकाओं पर विचार कर सकती है अदालत

सुप्रीम कोर्ट में अधिवक्ता अंजलि पटेल और पूजा शिल्पकार ने भी याचिकाएं दायर की हैं, जिनपर सुनवाई की तारीख निर्धारित नहीं हुई है। उन्नाव दुष्कर्म मामला देश के सबसे संवेदनशील और चर्चित मामलों में से एक रहा है, ऐसे में सुप्रीम कोर्ट का रुख बेहद अहम माना जा रहा है।

आजम खां से मिलने जेल पहुंची पत्नी तजीन फात्मा

बेटे अदीब भी रहे साथ, कहा- सपा नेता की तबीयत पहले जैसी

रामपुर। रामपुर जिला कारागार में बंद सपा नेता आजम खां से उनकी पत्नी तजीन फात्मा ने मुलाकात की। जेल से बाहर आकर उन्होंने मीडिया को बताया कि आजम खां की तबियत जैसे पहली थी वैसे ही है।

रामपुर की जिला जेल में बंद समाजवादी पार्टी के वरिष्ठ नेता आजम खां से मिलने उनकी पत्नी तजीन फात्मा पहुंचीं। जेल में मुलाकात के बाद उन्होंने आजम की सेहत को लेकर जानकारी ली। उन्होंने बताया कि आजम खां की तबियत जैसे पहले थे वैसी ही है। उम्र और लगातार इलाज के कारण उनकी सेहत को लेकर चिंता बनी रहती है। हालांकि उन्होंने विस्तार से कोई जानकारी नहीं दी। तजीन फात्मा ने कहा कि परिवार लगातार उनके स्वास्थ्य पर नजर बनाए हुए है। उन्होंने यह भी कहा कि न्यायालय पर उन्हें पूरा भरोसा है और वह कानूनी प्रक्रिया के तहत आगे की लड़ाई लड़ते रहेंगे। आजम खां और अब्दुल्ला आजम रामपुर की जिला कारागार में न्यायिक हिरासत में बंद हैं।

इस वजह से जेल में हैं बंद

दो पैन कार्ड मामले में सपा नेता आजम खां और उनके बेटे अब्दुल्ला आजम को सात-सात साल की कैद व 50-50 हजार रुपये का जुमार्ने की सजा सुनाई है। सिविल लाइंस थाने में शहर विधायक आकाश सक्सेना की ओर से दो पैन कार्ड रखने का मामला वर्ष 2019 में दर्ज कराया गया था।

17 नवंबर को कोर्ट ने फैसला सुनाया था। एमपी एमएलए मजिस्ट्रेट कोर्ट के जज शोभित बंसल ने दोनों पक्षों की सुनवाई करने के बाद यह माना कि अब्दुल्ला आजम ने दो पैन कार्ड बनवाए थे। इससे उन्होंने लाभ भी लिया। कोर्ट ने इस मामले में अब्दुल्ला आजम व उनके पिता आजम खां को दोषी मानते हुए दोनों को सात-सात साल की सजा व 50-50 हजार रुपये का जुमार्ना अदा करने की सजा सुनाई। तब से दोनों रामपुर की जेल में बंद हैं।

दैनिक करंट क्राइम
www.currentcrime.com
सिर्फ सच...
03 ● नई दिल्ली। मंगलवार 30 दिसम्बर -2025 दिल्ली व गाजियाबाद से एक साथ प्रकाशित

शहर विधायक को मंच पर आखिर धक्का किसने मारा...

विधायक ने कहा, संयम बरतें और हर कार्यकर्ता देवतुल्य है हमारा

गाजियाबाद, करंट क्राइम। भीड़ है तो धक्का-मुक्की भी होगी ही। भीड़ है तो ट्रेन में भी ऐसा होगा और भीड़ है तो मेले में भी ऐसा होगा। भीड़ है तो मंच पर भी ऐसा होगा और भीड़ है तो सड़क पर भी ऐसा होगा। भीड़ में धक्का-मुक्की भी होती है और भीड़ का कोई धर्म नहीं होता और भीड़ की कोई पहचान नहीं होती। भाजपा के प्रदेश अध्यक्ष पंकज चौधरी गाजियाबाद आये और उनका गाजियाबाद में स्वागत हुआ। बाकी सब तो ठीक है लेकिन दिल्ली मेरठ एक्सप्रेस-वे पर मंच पर जो कुछ हुआ वो किस हद तक ठीक कहा जा सकता है। स्वागत कार्यक्रम चल रहा था और तभी अचानक शहर विधायक संजीव शर्मा मंच पर पहुंचे। संजीव शर्मा शहर विधायक हैं और वो अभी कुछ समझ पाते इससे पहले ही वो लड़खड़ाये और वो गिरने लगे।

तभी महानगर अध्यक्ष मयंक गोयल उनकी ओर आये। विधायक को मयंक गोयल ने दोनों हाथों से पकड़ा। दोनों एक दूसरे को देखकर हैरान थे और दोनों के बीच क्या बात हुई, ये तो दोनों बेहतर बता सकते हैं। मगर इस घटना के बाद अगले दिन शहर विधायक संजीव शर्मा के समर्थक आगे आ गये। उन्होंने सोशल मीडिया पर मोर्चा खोल दिया और जो कुछ हुआ उसको लेकर चर्चा चलने लगी। किसी ने इस घटना को साजिश बताया और किसी ने इसे शहर विधायक का अपमान बताया।

कई तो ऐसे थे जो वीडियो के रिटेक करके देखने लगे। वीडियो स्लो मोशन में चलने लगा और यहीं से पता लगाया गया कि आखिर विधायक जी को धक्का किसने दिया है। कहां कोहनी से कोहनी टकराई हैं। इस घटना को लेकर दिन भर चर्चा होती रही और उंगलियां उठती रहीं। इसके बाद एक बार फिर शहर विधायक संजीव शर्मा ही इस मामले को शांत कराने के लिए आगे आये। उन्होंने फेसबुक पर आकर कार्यकर्ताओं से अपील की और कहा कि भीड़-भाड़ वाले स्वागत कार्यक्रम में धक्का-मुक्की आम बात हैं। सभी संगठन के कार्यकर्ता हैं मुझे किसी से कोई शिकायत नहीं है। कृपया सभी संयम बनाये रखें। अब यहां पर भी ये बात अहम रही कि शहर विधायक ने भी धक्का-मुक्की को आमबात बता दिया। ये भी कह दिया कि मुझे किसी से कोई शिकायत नहीं है। लेकिन उन्होंने ये नहीं कहा कि उन्हें किसी ने धक्का नहीं दिया था। उन्होंने कहा कि भीड़-भाड़ वाले स्वागत कार्यक्रम में धक्का-मुक्की आम बात है। सभी को संगठन का कार्यकर्ता बताया और बड़ा दिल दिखाते हुए कहा कि मुझे किसी से कोई शिकायत नहीं है। विधायक कुछ भी कहें और संयम की अपील करें लेकिन संशय तो यही बना हुआ है कि आखिर विधायक जी को धक्का किसने दिया था। ये क्या सबकुछ सुनियोजित था। विधायक जी की एक खूबी ये भी है कि वो हमेशा मुद्दे को शांत करते हैं। वो कभी भी विवाद को नहीं बढ़ाते हैं और एक बार फिर वो उसी अंदाज में है कि इस विषय पर कोई विवाद ना हो और यही वजह है कि उन्हें सोशल मीडिया पर आकर सफाई देनी पड़ी।

हाईवे पर जेब कटने का शिकार हुए भाजपा नेता ने की चोरों से अपील

बोले, अपने जिहाद के कामों में मत करना मेरे पैसे से डील

गाजियाबाद, करंट क्राइम। प्रदेश वाले चौधरी जी के स्वागत में मंडल वाले भी पहुंचे थे और बताते हैं कि स्वागत में चोर भी आ गये। अब हाईवे के कैमरे मजबूत हैं और उच्च क्वालिटी के बताये जाते हैं।

कैमरे कोशिश करेंगे तो चोरों की पहचान हो भी जायेगी। बहरहाल जो होना था वो हो गया और मंडल के महामंत्री माधव सूद को मूल का भी नुकसान हो गया। उनकी जेब कट गई और 50 हजार रूपये चौरी हो गये। मगर इस पूरे मामले का एक पहलू ये है कि चोरों से अपील बंद नहीं हो रही। पहले किसान मोर्चा के महानगर अध्यक्ष ने मंच पर माईक थामा और चोरों से अपील की कि प्लीज वो ये पैसे महामंत्री को लौटा दे। ये वीडियो सोशल मीडिया से लेकर टीवी चैनलों पर चली है और अब एक बार फिर ऐसी अपील आई है कि चोरी का शिकार हुए मंडल महामंत्री ही चोरों से अपील कर रहे हैं कि पैसे कैसे और कहां खर्च करने हैं।

दरअसल मंडल महामंत्री माधव सूद की जेब से किसी ने 50 हजार की गड्डी निकाल ली। माधव सूद ने चोरों से अपील की है और उनका वीडियो जारी हुआ। उन्होंने कहा कि प्रदेश अध्यक्ष के आगमन पर हम सब स्वागत करने गये थे। मेरा जो नुकसान होना था वो हो गया और माधव सूद ने इस नुकसान को प्रभु की इच्छा बताया। लेकिन अपील में मोड ये है कि उन्होंने कहा कि मेरी प्रभु से विनती है कि जिसने भी मेरे पैसे लिए हैं वो इन्हें अच्छे काम पर खर्च करे। मेरी ये अपील है कि मेरे पैसे किसी जिहादी के हाथ ना लगें। वो पैसे जिहाद जैसी किसी चीज में ना लगें और किसी अच्छे काम या जरूरतमंद व्यक्ति को वो पैसे मिलें। अब किसने चुराये और उसका क्या इस्तेमाल होगा या हो चुका होगा ये तो प्रभु जाने। बहरहाल चोरी का शिकार हुए मंडल महामंत्री ने माधव सूद ने प्रभु से भी अपील कर दी है और पैसा चोरी करने वालों से भी ये अपील की है कि उनके पैसे को जिहाद के काम में ना लगाया जाये।

समाजवादी पार्टी ने उठा दिये हाईवे पर हुई सभा को लेकर सवाल

पूछ लिया, क्या अन्य दलों को भी हाईवे पर स्वागत के लिए अनुमति देगा निजाम

गाजियाबाद, करंट क्राइम। भाजपा के प्रदेश अध्यक्ष पंकज चौधरी अध्यक्ष का कार्यभार संभालने के बाद पहली बार गाजियाबाद आये। दरअसल उन्हें मेरठ के क्षेत्रीय कार्यालय में आयोजित बैठक को सम्बोधित करने जाना था। भाजपा कार्यकर्ताओं ने प्रदेश अध्यक्ष के आगमन पर उनके स्वागत का कार्यक्रम रखा था। कार्यक्रम में हाईवे पर मंच बनाया गया। कार्यक्रम में जनसभा हुई। कार्यक्रम में स्वागत हुआ। अब इस पूरे इंतजाम को लेकर समाजवादी पार्टी ने सवाल उठाया है। समाजवादी पार्टी के जिलाध्यक्ष फैसल हुसैन राष्ट्रीय राजमार्ग प्राधिकरण से लेकर जिलाधिकारी गाजियाबाद से ये सवाल किया। उन्होंने समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष और उत्तर प्रदेश के पूर्व मुख्यमंत्री अखिलेश यादव के पास भी ये जानकारी भेजी। समाजवादी पार्टी के जिलाध्यक्ष फैसल हुसैन ने लिखा कि सत्ता की हनक देखिये कि राष्ट्रीय राजमार्ग को ही सभा स्थल बना दिया। उन्होंने लिखा यूपी भाजपा के नए अध्यक्ष गाजियाबाद आये और सत्ताधारी पार्टी के नेता के लिए दिल्ली मेरठ हाईवे के बीचोबीच मंच सजाया गया। राष्ट्रीय राजमार्ग पर लगे दिशा सूचकों को भी भगवा रंग से ढका गया। लोगों का हुजूम (बीच सड़क पर आयोजित जनसभा) में नेता का स्वागत करने पहुंचा। यहां पर सपा के जिलाध्यक्ष फैसल हुसैन ने सवाल ये किया है कि क्या प्रशासन अन्य किसी पार्टी के नेताओं के लिए भी राष्ट्रीय राजमार्ग पर स्वागत के लिए मंच सजाने की अनुमति देगा? सपा जिलाध्यक्ष फैसल हुसैन ने ये सवाल उठाया है कि क्या कानून वाकई में सबके लिए बराबर है? समाजवादी पार्टी ने ये सवाल उठा दिया है और सबसे बड़ी बात ये है कि वो जो चीजें बता रहे हैं वो सभी चीजें वीडियो में मौजूद हैं। समाजवादी पार्टी ने इस पूरे आयोजन को लेकर राष्ट्रीय राजमार्ग प्राधिकरण से भी सवाल किये हैं। उनसे ये जानना चाहा है कि क्या हाईवे पर जनसभा हो सकती है। क्या हाईवे पर स्वागत हो सकता है। क्या हाईवे पर बीचोबीच मंच लगा सकते हैं। अब यहां पर जवाब राष्ट्रीय राजमार्ग प्राधिकरण से लेकर जिला प्रशासन को देना है।

मंडल वाले कमंडल में उठता है इसी पुरम से सबसे ज्यादा तूफान

'मन की बात' को लेकर सोशल मीडिया पर तल्ख हो गई जुबान

गाजियाबाद, करंट क्राइम। वैसे तो सभी मंडलों में राजनीतिक गतिविधियां चलती हैं लेकिन इन्दिरापुरम वाले मंडल में फूल वालों के बीच सियासी दंगल कुछ ज्यादा ही तेज दिखाई देता है। बताया ये जाता है कि मंडल के कमंडल में कभी भी यहां तूफान आ सकता है। यहां पर सीन ही कभी पूर्व मंडल और वर्तमान मंडल के बीच हो जाता है। कभी मंडल प्रभारी को लेकर सीन बन जाता है कभी निवर्तमान मंडल वालों का बयान आ जाता है। सबसे ज्यादा तूफान इसी मंडल से उठता है। एक बार फिर सीन घमासान का हो गया है। इन्दिरापुरम में मंडल वाले दंगल में एक विशेषता ये है कि यहां सबकी अपनी अपनी टीमें हैं और सब अपनी अपनी थीम पर चलते हैं। कभी कोई मंडल वाला ये बताता है कि मंडल का एकमात्र अधिकृत कार्यालय हमारा ही है। तो कभी एक्स मंडल वाला अपना दफ्तर खोलता है और संगठन वाले वहां पहुंचते हैं। कभी दूसरा एक्स वाला ये तर्क देता है कि भले ही दंगल हो रहा है लेकिन काम तो मंडल में हो रहा है। यहां पर ये क्रम चलता रहता है और मंडल वाले बताते हैं कि पहले तो मंडल के प्रभारी ने ही मैडम को लेकर अपना दिल ज्यादा ही भारी कर लिया था। मैडम एक्स पार्षद हो चुकी थी मगर उनके घर के बार बोर्ड लगा था। प्रभारी जी को ये बात अखर रही थी और उन्होंने बात को समाप्त करने के लिए अगले दिन बोर्ड पर अपने नाम और पद के आगे पूर्व लिख लिया। लेकिन प्रभारी जी इससे भी संतुष्ठ नहीं हुए और उन्होंने सोशल मीडिया में व्हाट्सऐप चैटिंग में लिख लिया था कि पूर्व इतना बड़ा लिखा कि सबको दिखाई दे, ये तो दिखाई ही नहीं दे रहा है। बहरहाल जिन्हें प्रभारी जी पूर्व बता रहे थे उन्होंने अभूतपूर्व तरीके से गेम में वापसी की और वो मंडल प्रधान हो गये। लेकिन एसआईआर के काम को लेकर घमासान हुआ और मैडम को ये लिखना पड़ा कि मंडल का एकमात्र अधिकृत कार्यालय मेरा दफ्तर है। अभी ये वाली आग शांत हुई थी कि अब दोबारा से मंडल में ऊफान है।

दरअसल मंडल के पूर्व अध्यक्ष शुक्ला जी मन की बात कार्यक्रम के भी प्रभारी हैं। संजीव झा ने सूचना डाली कि इन्दिरापुरम मंडल में मन की बात का कार्यक्रम हैं। यहां जो एड्रेस लिखा गया उसे लेकर प्रतिक्रिया का तूफान था। मंडल महामंत्री देवाशीष दत्ता पूरे रिएक्शन के साथ आये। उन्होंने कहा कि इन्दिरापुरम लिखना सही नहीं है। यह तो मंडल का कार्यक्रम है और जो पता दिया गया है वो शुक्ला जी का दफ्तर है। उन्होंने लिखा कि यह कार्यक्रम तो मंडल द्वारा आयोजित ही नहीं था। इसके बाद भी देवाशीष की अग्नि शांत नहीं हुई और उन्होंने कहा कि आप तो खुद मंडल अध्यक्ष रहे हैं तो आपको पता होना चाहिए। इसके बाद इस पर प्रतिक्रियाओं का दौर चलता रहा। जिस तरह की भाषा इस्तेमाल हो रही थी उस लहजे से साफ पता चल रहा था कि यह एक तंज है। फिर किसी ने संजीव झा को भी कहा कि तुम तो मंडल के प्रभारी हो। मन की बात के कार्यक्रम का तुमसे क्या लेना देना। बहरहाल इसके बाद इस पोस्ट पर घमासान चलता रहा। अब कौन क्या संज्ञान लेता है वो बाद की बात है। लेकिन सबसे ज्यादा प्रतिक्रियाओं का तूफान इस मंडल से ही उठ रहा है।

▸▸ **क्यों कहा कहने वाले ने कि** प्रदेश अध्यक्ष के स्वागत के लिए आई थी बहुत सारी मामला? मगर इन मालाओं से किसी ने अपना मामला कर दिया झिंगा-लाला? सुना है उन्होंने अपने बर्थडे पर इन मालाओं को अपने गले में डाला? उनकी मालाओं से लदी हुई फोटो ने सोशल मीडिया पर तूफान ला डाला? कहने वाले ने कहा कि वो प्रकृति से करते हैं बहुत ही प्यार? जब काम आ सकती हैं पार्टी की माला? तो फिर क्यों करें बगिया के फूलों पर वार?

▸▸ **क्यों कहा कहने वाले ने कि** भगवागढ़ के पूर्व पार्षद का लगता है आ गया है पुराना कांग्रेसी बाहर? आप देख रहे होंगे अब इन पूर्व पार्षद के नहीं होते हैं पार्टी के कार्यक्रमों में ज्यादा दीदार? कहने वाले ने कहा ऐसा हम नहीं कह रहे? उनके मौके पर नजर ना आने पर चर्चा हो रही थी आम? कहने वाले कह रहे थे योद्धा के आने पर ये आजकल गायब-गायब से हैं? कमांडर के समय इनका जलवा दिखाई देता था हमेशा जोरदार? ज्यादा खोलेंगे तो आप समझ जायेंगे कि हम किसकी बात कर रहे हैं यार?

▸▸ **क्यों कहा कहने वाले ने कि** प्रदेश अध्यक्ष के स्वागत वाले कार्यक्रम में हमने एक बात की बारीकी से नोट? जो मांग रहे हैं एमएलसी स्नातक और शिक्षक का टिकट? वो बिल्कुल भी नजर नहीं आये कार्यक्रम के निकट? कहने वाले ने कहा यहां पर हमें पूरी मजबूती से हो रहे थे एमएलसी दिनेश गोयल के दीदार? कहने वाले ने कहा बाकी दावेदारों को टिकट भी चाहिए? मगर पार्टी के लिए वो समय नहीं निकाल पा रहे यार? संगठन से दूरी और टिकट से प्यार? गजब का है हमारे वैश्य और ओबीसी चेहरे का किरदार?

▸▸ **क्यों कहा कहने वाले ने कि** धीरे-धीरे दूर कर लें गाजियाबाद महानगर में आने वाले विधायक अपने डाउट? यूं ही नहीं यूपी गेट पर लहराये हैं यूथ आईकॉन नीरज सिंह के प्रदेश अध्यक्ष के स्वागत में कटआउट? कहने वाले ने कहा ये कटआउट एक विधायक की दावेदारी को भविष्य में कर देंगे आउट? अब देखना ये है कि इसका किस सीट पर पड़ेगा इफैक्ट? मगर यूपी गेट का स्वागत हकीकत में रहा गुड से बैटर, बैटर से बेस्ट?

▸▸ **क्यों कहा कहने वाले ने कि** हमें पता है डेढ़ा भैया ने यूपी गेट पर प्रदेश अध्यक्ष के स्वागत में लगाई हुई थी अपनी पूरी जान? मगर उनको यहां पर यूथ आईकॉन नीरज सिंह समर्थकों का थैंक्स करना होगा श्रीमान? हमें पता है कि पर्दे के पीछे से यूपी गेट वाले स्वागत की भैया जी ने संभाली हुई थी कमान? नोएडा-साहिबाबाद-धौलाना से उनकी एक आवाज पर भीड़ वहां पर पहुंची थी श्रीमान? कहने वाले ने कहा इतनी भीड़ तो तब जुट गई जब खुद भैया जी नहीं थे मौके पर विराजमान?

▸▸ **क्यों कहा कहने वाले ने कि** अब भले ही कोई कितना ही लगाये गाड़ियों की संख्या का हिसाब? लेकिन जिसने रिपोर्ट कार्ड देना था उसने तो दे दिया साहब? हमने देखा अपनी वॉल पर प्रदेश अध्यक्ष पंकज चौधरी ने गाजियाबाद के स्वागत वाली फोटो को किया बहुत ज्यादा शेयर? कराया एहसास कि यहां पर कार्यकर्ताओं ने की उनकी बहुत ज्यादा केयर? देकर कार्यक्रम को ऐतिहासिक टैग? प्रदेश अध्यक्ष ने बना दिया भगवा योद्धा मयंक गोयल का स्वैग?

▸▸ **क्यों कहा कहने वाले ने कि** हमें बहुत मजबूत नजर आये प्रदेश अध्यक्ष के स्वागत में भगवा योद्धा की मेहनत के ठाठ? भीड़ उन्होंने अपने नेटवर्क से तब जुटा ली? जब इस पूरे सीन से गायब थे संगठन के पदाधिकारी आठ? कहने वाले ने कहा इन आठ में से सात ने नहीं रखा कहीं पर भी कदम? बस एक ही जगह पर खिला हुआ दिखाई दिया हमको चमन? कहने वाले ने कहा कल फिर नहीं मिलेगा पद तो कहेंगे कि हमसे ऐसी क्या खता हुई थी सनम?

▸▸ **क्यों कहा कहने वाले ने कि** भगवा झा का जज्बा दिखाई दे रहा था हमको प्रदेश अध्यक्ष वाले स्वागत में बहुत ही खास? मगर हम ये सोच रहे हैं कि उन्होंने खाकी वाले के व्यवहार को कैसे किया होगा बर्दाश्त? हमने देखा थ्री स्टार वाले खाकीधारी ने उस वक्त मिस्टर झा को दिया टोक? जब वो सेल्फी लेने के लिए रहे थे प्रदेश अध्यक्ष को रोक? खाकी वाले ने जब कहा बहुत हुआ अब थम जायें? कहने वाले ने कहा इस मौके पर झा थम गये? ये बात रही बहुत ही खास? लगता है मन की बात सुनाते-सुनाते, उन्होंने मन पर काबू पा लिया है साहब?

▸▸ **क्यों कहा कहने वाले ने कि** हमने प्रदेश अध्यक्ष के स्वागत वाले कार्यक्रम में एक बात पर किया प्रमुखता से गौर? हमने देखा मोर्चा वाली कई महिलाएं कर गईं यहां पर स्वागत को इग्नोर? वर्तमान, निवर्तमान से लेकर महानमंत्राणियों के भी नहीं हुए यहां पर दीदार? कहने वाले ने कहा कुछ तो वजह है जो बना ली दूरी? जो भी हो अनीता दीदी ने निभाई यहां पर पूरी जिम्मेदारी? सुना है आजकल वो हैं इस मोर्चे की प्रभारी?

▸▸ **क्यों कहा कहने वाले ने कि** धक्के वाली वीडियो को देखने का हमें चढ़ा हुआ था जोश? पल-पल पर हम इस वीडियो को कर रहे थे पोज़? पोज़ करते-करते हमें किसी की कोहनी तो किसी की हथेली करती दिखाई दी मामले को पुश? कहने वाले ने कहा वीडियो में भगवा योद्धा संभालने वाले अंदाज में आ रहे थे नजर? एक तरफ उन्होंने थामा था हाथ? दूसरी तरफ कमर पकड़ कर उन्होंने की थी पूरी फिक्र? ना जाने क्यों फिर चलता रहा पूरे दिन एफबी पर दूसरा ही जिक्र?

नोट : उठते सवालों का करंट लेखक की व्यक्तिगत राय नहीं है, बल्कि रोजाना क्षेत्र में उठने वाली चर्चाओं का संग्रह है।

शोक सभा शांति पाठ

शोक सभा शांति पाठ

गमगीन माहौल में अश्रुपूरित नेत्रों से दी गई स्वर्गीय लक्ष्मी नारायण और स्वर्गीय गरिमा सिंह को श्रद्धांजलि

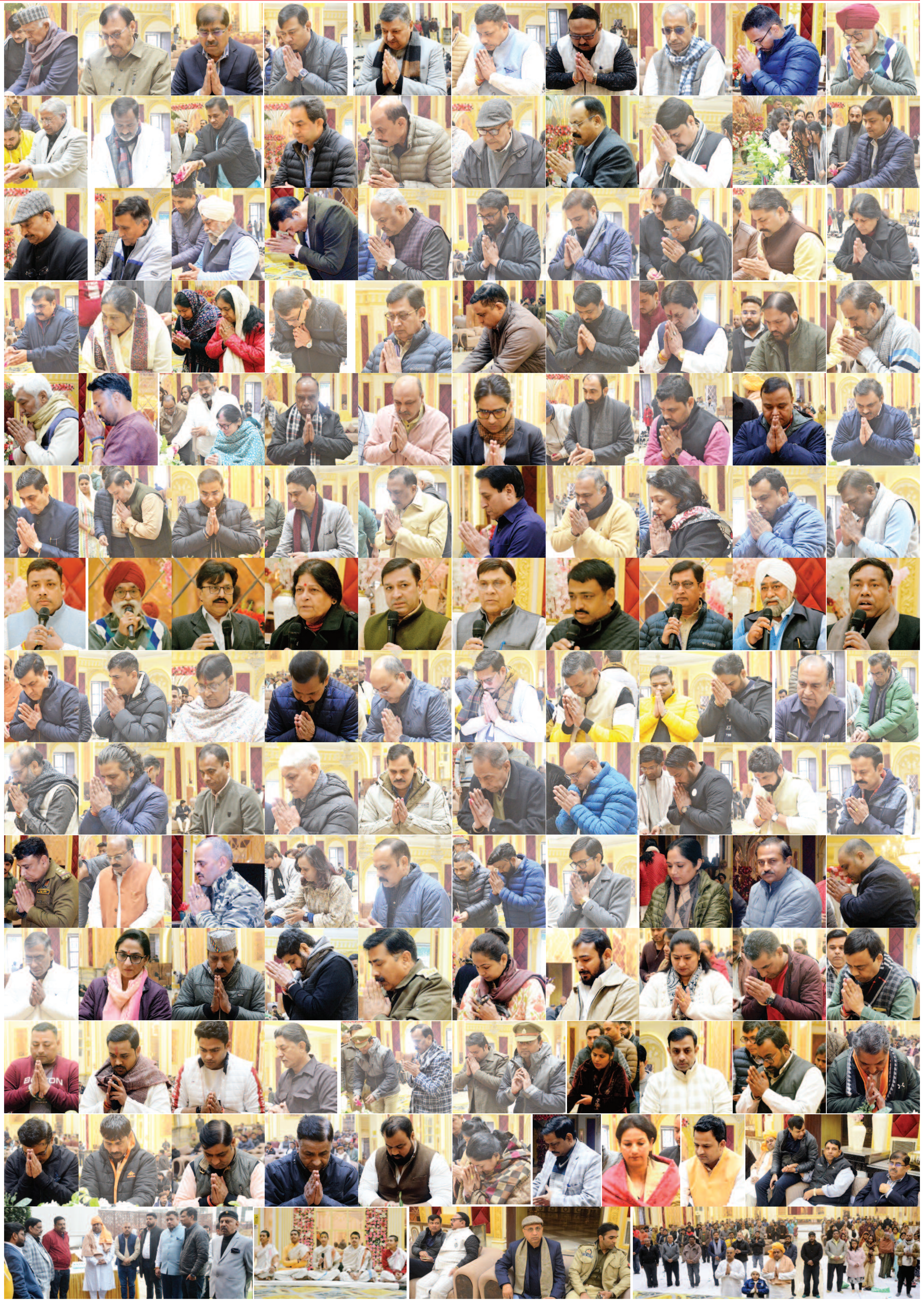

संपादकीय

भारतीयता पर हमला

देहरादून में एक युवा की नस्लीय टिप्पणी के कारण हुई मौत ने देश को झकझोर दिया है। यह घटना पूर्वोत्तर के लोगों के प्रति देश में मौजूद गहरी नस्लीय सोच को उजागर करती है। ऐसी घटनाओं से देश की एकता और अखंडता को खतरा है। इस मामले में सख्त कार्रवाई और नस्लवाद विरोधी कानून की मांग की जा रही है। 'मैं भारतीय हूं'... देहरादून में दम तोड़ने वाले त्रिपुरा के एंजेल चकमा के ये आखिरी शब्द हर भारतीय को झकझोरने वाले होने चाहिए। अपनी पहचान से संघर्ष करते हुए एक युवा को जान देनी पड़ी। यह शर्मनाक है कि देश के भीतर देश के ही कुछ हिस्सों के लोगों की भारतीयता पर बार-बार सवाल उठाए जाते हैं।

आपत्तिजनक कमेंट । 24 साल के एंजेल पिछले एक साल से देहरादून में रहकर टइअ की पढ़ाई कर रहे थे। 9 दिसंबर को वह अपने भाई माइकल के साथ कुछ सामान लेने निकले थे, जब कुछ लड़कों ने उन पर आपत्तिजनक कमेंट्स किए। एंजेल ने जब विरोध किया कि 'हम चीनी नहीं हैं', तो आरोपियों ने चाकू से हमला कर दिया। इस शुक्रवार को एंजेल ने दम तोड़ दिया, जबकि माइकल की हालत गंभीर है। 6 में से 5 आरोपी अरेस्ट हो चुके हैं।

नस्लीय सोच इस घटना से त्रिपुरा और पूर्वोत्तर के दूसरे राज्यों में जबरदस्त गुस्सा है, और यह जायज भी है। अमेरिका, यूरोप या ऑस्ट्रेलिया में भारतीयों के खिलाफ नस्लभेदी अपराध होने पर जो देश विरोध जताता है, उसके भीतर ही कुछ तबकों में इतनी गहरी और खतरनाक नस्लीय सोच मौजूद है। इनके निशाने पर बार-बार पूर्वोत्तर के लोग आते हैं।

देश में मुश्किल इंडियन काउंसिल ऑफ सोशल साइंस रिसर्च (कऊररफ) ने 2021 में एक स्टडी के नतीजे जारी किए थे। तब सर्वे में शामिल पूर्वोत्तर के 78% लोगों का मानना था कि उन्हें उनके चेहरे-मोहरे के कारण निशाना बनाया जाता है। यह बताता है कि लोगों में अपने ही देश के बारे में कितनी कम जागरूकता है। दूसरी बात, पूर्वोत्तर के लोगों को देश के कई हिस्सों में कितनी मुश्किलों का सामना करना पड़ता है।

नस्लभेदी कानून ऐसी हर घटना के बाद कड़ी कार्रवाई की बात की जाती है, लेकिन सवाल है कि क्या उनसे कोई सबक लिया जा रहा? 2014 में दिल्ली में अरुणाचल के छात्र ढ्ङ्गि ळंल्लं को इतना पीटा गया कि उसकी मौत हो गई - वहां से अभी तक, क्या कोई बदलाव आया है? एंजेल की मौत के बाद कई संगठनों ने नस्लवाद विरोधी कानून की मांग की है, जो बिल्कुल सही है।

सख्ती जरूरी नस्लवाद देश की एकता और अखंडता के लिए खतरनाक है। इससे इनकार नहीं किया जा सकता कि जब भी भारत के किसी शहर में किसी एंजेल के साथ भेदभाव किया जाता है, तो उससे एक बड़े वर्ग की भावनाओं को चोट पहुंचती है। देश को ऐसा कानून चाहिए, जो इन मामलों में आरोपियों के प्रति सख्ती और पीड़ितों के प्रति संवेदनशीलता दिखाए।

बजट 2026-27 से पहले नरेंद्र मोदी की अर्थशास्त्रियों संग अहम बैठक, अमेरिकी टैरिफ पर मंथन

नई दिल्ली। पीएम मोदी मंगलवार को प्रमुख अर्थशास्त्रियों और विशेषज्ञों के साथ करेंगे अहम बैठक। अमेरिकी टैरिफ और वैश्विक आर्थिक चुनौतियों के बीच भारत की भावी आर्थिक रणनीति और आगामी बजट की प्राथमिकताओं पर होगा मंथन।

भारत के आगामी आम बजट 2026-27 की रूपरेखा और प्राथमिकताओं को अंतिम रूप देने के उद्देश्य से प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी मंगलवार को देश के प्रतिष्ठित अर्थशास्त्रियों और विभिन्न क्षेत्रों के विशेषज्ञों के साथ एक उच्च स्तरीय बैठक करेंगे। वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण द्वारा 1 फरवरी को पेश किए जाने वाले केंद्रीय बजट से पहले यह बैठक काफी महत्वपूर्ण मानी जा रही है, क्योंकि भारतीय अर्थव्यवस्था इस समय जटिल वैश्विक परिस्थितियों का सामना कर रही है।

प्रमुख नीतिगत एजेंडा और रणनीतिक चर्चा

आधिकारिक सूत्रों के अनुसार, इस बैठक में नीति आयोग के उपाध्यक्ष सुमन बेरी, सीईओ बी.वी.आर. सुब्रमण्यम और आयोग के अन्य सदस्य भी उपस्थित रहेंगे। प्रधानमंत्री इस संवाद के माध्यम से विकास दर को गति देने, राजकोषीय समेकन और रोजगार सृजन के लिए विशेषज्ञों से व्यावहारिक सुझाव मांगेंगे।

विशेषज्ञों का मानना है कि बैठक का मुख्य केंद्र बिंदु एमएसएमई क्षेत्र को मजबूती और निर्यात व विनिर्माण क्षेत्र में एमएसएमई की भूमिका बढ़ाना रह सकता है। इसके अलावे ग्रामीण मांग में सुधार और कृषि मूल्य श्रृंखला के आधुनिकीकरण पर भी चर्चा हो सकती है। चर्चा के दौरान पूंजीगत व्यय के जरिए दीर्घकालिक विकास की नींव रखने पर भी बातचीत हो सकती है।

वैश्विक अनिश्चितता और 'अमेरिकी टैरिफ' का साया

बजट 2026-27 ऐसे समय में आ रहा है जब वैश्विक भू-राजनीतिक समीकरण तेजी से बदल रहे हैं। सबसे बड़ी चुनौती अमेरिका की ओर से भारतीय शिपमेंट पर लगाए गए 50 प्रतिशत के भारी टैरिफ से उत्पन्न हुई है। आर्थिक विशेषज्ञों का तर्क है कि अमेरिका के इस एकतरफा कदम से भारतीय निर्यातकों, विशेष रूप से कपड़ा, आईटी और इंजीनियरिंग क्षेत्र पर दबाव बढ़ सकता है। प्रधानमंत्री की इस बैठक में इस बात पर गहन मंथन होने की उम्मीद है कि आगामी बजट के माध्यम से भारतीय घरेलू उद्योगों को इन बाहरी झटकों से कैसे सुरक्षित रखा जाए और 'आत्मनिर्भर भारत' अभियान को कैसे नई दिशा दी जाए।

नीति आयोग की भूमिका और समावेशी विकास

नीति आयोग इस बैठक में विकास के विभिन्न मॉडलों पर अपना प्रस्तुतीकरण दे सकता है। सरकार का ध्यान न केवल सकल घरेलू उत्पाद (जीडीपी) की संख्या पर है, बल्कि समावेशी विकास पर भी है। विशेषज्ञों से यह समझने की कोशिश की जाएगी कि वैश्विक सप्लाई चेन में हो रहे बदलावों का भारत किस तरह अधिकतम लाभ उठा सकता है।

यह बैठक केवल सुझावों का आदान-प्रदान नहीं है, बल्कि यह आगामी बजट के लिए सरकार की 'इकोनॉमिक फिलॉसफी' को दर्शाएगी। भू-राजनीतिक तनाव और व्यापार युद्ध जैसी स्थितियों के बीच, विशेषज्ञों की राय यह तय करने में मदद करेगी कि भारत अपनी आंतरिक विकास क्षमता को कैसे मजबूत बनाए रखे। वित्त मंत्रालय अब इन सुझावों को बजट के अंतिम मसौदे में शामिल करने की प्रक्रिया शुरू करेगा, जिससे 1 फरवरी को पेश होने वाले बजट की दिशा और दशा स्पष्ट होगी।

डीएसी ने सेना के आधुनिकीकरण के लिए 79,000 करोड़ के प्रस्तावों को दी मंजूरी

नई दिल्ली। 2025 भारतीय सेना, नौसेना और वायुसेना की युद्धक क्षमता और निगरानी तंत्र को अभूतपूर्व मजबूती देने की दिशा में केंद्र सरकार ने एक बड़ा कदम उठाया है। रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह की अध्यक्षता वाली रक्षा अधिग्रहण परिषद ने करीब 80,000 करोड़ की लागत वाले सैन्य उपकरणों और हथियारों की खरीद के लिए 'एक्सेप्टेंस ऑफ नेसेसिटी' प्रदान कर दी है। यह निर्णय ऐसे समय में आया है जब भारत अपनी सीमाओं पर सुरक्षा चुनौतियों के बीच स्वदेशी रक्षा इकोसिस्टम को वैश्विक स्तर पर प्रतिस्पर्धी बनाने पर जोर दे रहा है।

एयर डिफेंस और निगरानी : इसमें एम्ब्रेयर आधारित एयरबोर्न अर्ली वार्निंग एंड कंट्रोल सिस्टम की खरीद और स्वदेशी 'नेत्रा' AEW सिस्टम का एकीकरण शामिल है। इससे हवाई सीमाओं की निगरानी क्षमता कई गुना बढ़ जाएगी।

थल सेना का सुदृढ़ीकरण : T-90 टैंकों के ओवरहॉल और आधुनिकीकरण के प्रस्तावों को हरी झंडी मिली है, जो जमीनी युद्ध क्षमता के लिए रीढ़ की हड्डी माने जाते हैं।

वायुसेना और नौसेना : वायुसेना के लिए ट-17 हेलीकॉप्टरों के मिड-लाइफ अपग्रेड और नौसेना के लिए नए टग्स व सॉफ्टवेयर डिफाइंड रेडियो की खरीद को मंजूरी दी गई है। इसके अलावा, लॉन्ग-रेंज एयर-टू-एयर मिसाइल 'एस्ट्रा मार्क-2' की खरीद पर भी चर्चा हुई है।

घरेलू रक्षा उद्योग और एमएसएमई पर प्रभाव : यह 79,000 करोड़ का आवंटन केवल सैन्य मजबूती तक सीमित नहीं है, बल्कि यह भारतीय रक्षा विनिर्माण क्षेत्र के लिए एक बड़े उत्प्रेरक के रूप में कार्य करेगा। 'बाय ' श्रेणी के तहत इन प्रस्तावों को प्राथमिकता मिलने से भारत इलेक्ट्रॉनिक्स लिमिटेड , हिंदुस्तान एयरोनॉटिक्स लिमिटेड , साथ निजी क्षेत्र की कंपनियों और स्टार्टअप्स को बड़े ऑर्डर मिलने की उम्मीद है।

एनपीएस में बड़ा बदलाव, गैर-सरकारी सब्सक्राइबर्स को निकासी में ज्यादा छूट

नई दिल्ली। पेंशन फंड नियामक और विकास प्राधिकरण ने नेशनल पेंशन सिस्टम (ठढर) में कई बदलावों की घोषणा की है, जिससे कॉरपोरेट क्षेत्र के सब्सक्राइबर्स को निकासी के मामले में अधिक लचीलापन मिलेगा।

नए नियमों के अनुसार, गैर-सरकारी सब्सक्राइबर्स अब रिटायरमेंट के समय 12 लाख रुपये से अधिक के कॉर्पस का 80% तक हिस्सा एकमुश्त निकाल सकते हैं जबकि शेष 20% राशि एन्युटी के रूप में दी जाएगी। हालांकि, सरकारी कर्मचारियों के लिए पुराना नियम ही लागू रहेगा। वे केवल 60% तक की निकासी कर पाएंगे और शेष 40% राशि एन्युटी के रूप में रखनी होगी। इस संशोधन से पहले, सरकारी और गैर-सरकारी दोनों तरह के सब्सक्राइबर्स के लिए 60% एकमुश्त निकासी और 40% एन्युटी का नियम अनिवार्य था।

8 लाख से कम कॉर्पस होने पर: नोटिफिकेशन के अनुसार, यदि किसी गैर-सरकारी सब्सक्राइबर ने योगदान के 15 वर्ष पूरे कर लिए हैं या वह 60 वर्ष की आयु प्राप्त कर चुका है, तो 8 लाख रुपये या उससे कम का कॉर्पस होने पर वह पूरी राशि एकमुश्त निकाल सकता है।

12 लाख रुपये से अधिक कॉर्पस होने पर: 8 लाख से 12 लाख रुपये के बीचः यदि संचित राशि 8 लाख से 12 लाख रुपये के बीच है तो अधिकतम 6 लाख रुपये निकाले जा सकते हैं और शेष राशि का उपयोग एन्युटी के लिए किया जाएगा।

12 लाख से अधिकः यदि कॉर्पस 12 लाख रुपये से अधिक है तो सब्सक्राइबर्स अब 60:40 के बजाय 80:20 (एकमुश्त बनाम एन्युटी) का विकल्प चुन सकते हैं।

इसके अलावा, सब्सक्राइबर्स अब 85 वर्ष की आयु तक निवेशित रह सकते हैं, जब तक कि वे खुद पहले बाहर निकलने का विकल्प न चुनें।

अन्य महत्वपूर्ण नियम : 15 वर्ष के योगदान के बाद या 60 वर्ष की आयु प्राप्त करने पर (जो भी पहले हो) सामान्य निकासी की अनुमति है। यदि एन्युटी खरीदने या एकमुश्त निकासी से पहले सब्सक्राइबर की मृत्यु हो जाती है।

गाजियाबाद के प्रथम विधायक सरदार तेजा सिंह की पुण्यतिथि पर नमन

गाजियाबाद, करंट क्राइम। उस महान शख्सियत की पुण्यतिथि है, जिन्होंने गाजियाबाद के प्रथम विधायक के रूप में 15 वर्षों तक (1952 से 1967) सेवा की। सरदार तेजा सिंह जी ने अपना पहला चुनाव मात्र 150 रुपए में लड़ा और उसे जीता। यह राशि भी कार्यकर्ताओं द्वारा आपस में एकत्र की गई थी।

विधायक तेजा सिंह जी ने हेडमास्टर से विधायक बनने तक का 15 वर्षों का सफर साइकिल पर तय किया। गाजियाबाद शहर में बेटियों की शिक्षा के लिए एक बड़े विद्यालय, गुरु नानक इंटर कॉलेज, लोहिया नगर, की स्थापना में उनकी मुख्य भूमिका रही। उन्होंने पूरा जीवन अपने लिए नहीं, बल्कि समाज के लिए जिया। वर्ष 1952 से 1967 तक वे मुरादनगर, गाजियाबाद और दोहलाना तक साइकिल से अपने क्षेत्र में जनता के बीच जाते रहे।

लोग जो थोड़ी-सी भी रकम उन्हें देते थे, उसे वे स्कूलों और समाज सेवा के अन्य कार्यों में लगा देते थे। उन्होंने न कभी अपने लिए मकान बनाया, न दुकान, न ही कोई बैंक बैलेंस रखा। सेवा को ही उन्होंने अपना धर्म माना।

(विशेष अनुरोध)

गाजियाबाद के सभी विधायकगणों, गाजियाबाद के सांसद महोदय और गाजियाबाद की महापौर से सिख समाज की ओर से अपील, गुजारिश और निवेदन है कि वर्तमान विधायकगण इस विषय को विधानसभा में रखें, महापौर अपने सदन में पार्षदगणों के समक्ष रखें और सांसद महोदय देश की सबसे बड़ी पंचायत संसद में यह विषय उठाएं कि स्वर्गीय पूर्व विधायक, प्रथम विधायक सरदार तेजा सिंह के नाम से ऐसा क्या किया जा सकता है, जो आने वाली पीढ़ियों को युगों-युगों तक स्मरण रहे।

स्वर्गीय सरदार तेजा सिंह जी को किसी पार्टी से जोड़कर न देखा जाए। वे भले ही किसी भी पार्टी से विधायक रहे हों, लेकिन जब कोई व्यक्ति जनता द्वारा चुना जाता है, तो वह पूरे समाज का होता है, किसी एक पार्टी का नहीं रहता। ऐसा कोई विशेष कार्य करने से आने वाली पीढ़ी को यह ज्ञात होगा कि गाजियाबाद का पहला नेतृत्व किसने किया।

इंद्रजीत सिंह टीटू
प्रधान गुरुद्वारा श्री गुरु सिंह सभा एवं आरएलडी नेता

सुझाव के रूप में, पुराने शहर गाजियाबाद के चार प्रवेश द्वार—डासना गेट, दिल्ली गेट, घंटाघर और सिहानी गेट—में से किसी एक का नामकरण उनके नाम पर किया जा सकता है। यह निर्णय वही लोग ले सकते हैं जिनके पास इसका अधिकार है कि क्या संभव है और कैसे पहले विधायक को सम्मान दिया जा सकता है। ऐसा करने से समाज में एक अच्छा और प्रेरणादायक संदेश जाएगा। मैं गुरुद्वारा श्री गुरु सिंह सभा की पूर्ण कमेटी की ओर से स्वर्गीय सरदार तेजा सिंह जी के चरणों में नमन करता हूँ। राष्ट्रीय लोकदल की ओर से भी उनके चरणों में नमन करता हूँ।

रोचक तथ्यों का करंट

- दुनियाभर में सभी उम्र के 350 मिलियन लोग अवसाद से ग्रस्त हैं।
- मादक द्रव्यों के सेवन संबंधी समस्याओं के लगभग 30% लोग भी अवसाद से पीड़ित हैं।
- पुरुषों की तुलना में महिलाओं में लगभग दो गुणा अधिक होने की वजह से प्रमुख अवसाद से पीड़ित हैं।
- जिन लोगों में से 15% अवसाद से ग्रस्त होते हैं, वे हर साल अपनी जान लेते हैं।
- अवसाद के कारण आपको सामान्य रूप से 3 से 4 गुना अधिक सपने आते है।
- नेशनल इंस्टीट्यूट ऑफ हेल्थ (एनआईएच) के मुताबिक, 6% से अधिक बच्चे अवसाद से ग्रस्त हैं और उनमें से 4.9% की बड़ी अवसाद है।
- गंभीर अवसाद कोशिकाओं में बुढ़ापे की प्रक्रिया को बढ़ाकर हमें जैविक रूप से अधिक उम्र का बना सकता है।
- अवसाद के लगभग 80% पीड़ित उपचार प्राप्त नहीं कर रहे हैं।
- हास्य कलाकारों और हास्यास्पद लोगों पर किए गए शोध से पता चला है कि वे आमतौर पर औसत से अधिक उदास हैं।

राशिफल

मेष : राजकीय सहयोग से कार्य पूर्ण होंगे। व्यापार-व्यवसाय मनोनुकूल लाभ देगा। आवश्यक वस्तु समय पर नहीं मिलने से खिन्नता रहेगी।

वृष : भूमि व भवन की खरीद-फरोख्त लाभदायक रहेगी। उन्नति के मार्ग प्रशस्त होंगे। कुसंगति से बचें। कारोबार में वृद्धि होगी। निवेशादि शुभ रहेंगे।

मिथुन : रचनात्मक कार्य सफल रहेंगे। किसी आनंदोत्सव में भाग लेने का अवसर प्राप्त होगा। प्रसन्नता तथा मनोरंजन के साधन उपलब्ध होंगे।

कर्क : बुरी खबर प्राप्त हो सकती है। मेहनत अधिक होगी। लाभ के अवसर टलेंगे। समय पर बाहर से धन नहीं मिलने से निराशा रहेगी। हल्की हंसी-मजाक करने से बचें।

सिंह : सामाजिक प्रतिष्ठा में वृद्धि होगी। घर-बाहर पूछ-परख रहेगी। व्यापार-व्यवसाय मनोनुकूल लाभ देगा। धन प्राप्ति सुगम होगी। लाभ के अवसर हाथ आएंगे।

कन्या : पुराने साथियों तथा रिश्तेदारों से मुलाकात सुखद रहेगी। अच्छे समाचार प्राप्त होंगे। मान बढ़ेगा। किसी नए उपक्रम को प्रारंभ करने पर विचार होगा।

तुला : नवीन वस्त्राभूषण पर व्यय होगा। परीक्षा व साक्षात्कार आदि में सफलता प्राप्त होगी। यात्रा मनोनुकूल लाभ देगी। नए काम मिल सकते हैं। कार्य से संतुष्टि रहेगी।

वृश्चिक : फालतू खर्च होगा। शत्रुओं से सावधानी आवश्यक है। स्वास्थ्य का पाया कमजोर रहेगा। कोई भी निर्णय लेने में जल्दबाजी न करें। वाणी पर नियंत्रण रखें।

धनु : डूबी हुई रकम प्राप्त हो सकती है। यात्रा मनोनुकूल रहेगी। नए काम हाथ में आएंगे। कारोबारी वृद्धि से प्रसन्नता रहेगी। समय की अनुकूलता का लाभ लें।

मकर : योजना फलीभूत होगी। कार्यपद्धति में सुधार होगा। कार्यसिद्धि से प्रसन्नता रहेगी। मेहनत सफल रहेगी। लाभ के अवसर हाथ आएंगे। मान-सम्मान मिलेगा।

कुंभ : अध्यात्म में रुचि रहेगी। किसी धार्मिक आयोजन में भाग लेने का मौका हाथ आएगा। सुख-शांति बने रहेंगे। कारोबार मनोनुकूल चलेगा।

मीन : अज्ञात भय रहेगा। अनहोनी की आशंका रहेगी। वाहन, मशीनरी व अग्नि आदि के प्रयोग में सावधानी रखें। वाणी में हल्के शब्दों के प्रयोग से बचें।

चुटकुले

70 साल की एक बुजुर्ग महिला ने अदालत में तलाक के लिए अर्जी लगाई।
जज ने बुजुर्ग महिला से पूछा- इस उम्र में तलाक क्यों लेना चाहती हैं आप ?
महिला- जज साहब, मेरे पति मुझ पर मानसिक अत्याचार कर रहे हैं।
जज- वो कैसे ?
महिला- इनकी जब मर्जी होती है, मुझे खरी-खोटी सुना देते हैं
और जब मैं बोलना शुरू करती हूं तो अपने कान की मशीन निकाल देते हैं !!!

डॉक्टर का एक पड़ोसी बहुत बड़ा नशेड़ी था और खूब शराब पीता था...
डॉक्टर ने एक दिन उसको समझाते हुए कहा- शराब का नशा आहिस्ता -आहिस्ता इंसान को मार देता है।
नशेड़ी ने मुस्कुराते हुए जवाब दिया- तो डॉक्टर साहब मुझे कौन सा मरने की जल्दी है।

30 12 2025 करंट क्राइम

जन्मदिन की हार्दिक शुभकामनाएं

आज के जन्मदिन

सेलेब्रिटी जन्मदिन

सूचना : आप भी अपने जन्मदिन को विशेष बना सकते हैं। अपना फोटो नाम के साथ हमें नीचे लिखे ईमेल पर भेजें। हम उसे दैनिक करंट क्राइम में स्थान देंगे।
Email : currentcrimenews@gmail.com

प्रिय पाठकों,
आप भी हमें भेज सकते हैं अपनी लिखी हुई कविता, चुटकुले, विचार, आर्टिकल या शहर से जुड़ी हुई कोई भी समस्या। हम उसे प्रमुखता से प्रकाशित करेंगे।

करंट क्राइम

K-4, A-Block, Govindpuram Commercial Area, Near LG Showroom, Ghaziabad, Mob 09899655497
Email: currentcrimenews@gmail.com
Website: www.currentcrime.com

स्वामी, मुद्रक, प्रकाशक व सम्पादक मनोज कुमार ने ए.जी.एस. पब्लिकेशन, एफ-23, सैक्टर-6, नोएडा-201301 (गौतमबुद्धनगर) उत्तर प्रदेश से छपवाकर कार्यालय 'करंट क्राइम' बी-2बी/295, जनकपुरी, नई दिल्ली-110058 से प्रकाशित किया। R.N.I NO. DELHIN/2015/65364

सम्पादक : मनोज कुमार
समाचार संपादक दीपक भाटी

संरक्षक : राकेश यादव, विवेक भाटी

दैनिक करंट क्राइम
समाचार पत्र में किसी भी तरह के डिस्प्ले एवं वर्गीकृत विज्ञापन (खोया-पाया, संबंध-विच्छेद, कोर्ट नोटिस, जीडीए सूचना, नाम परिवर्तन) आदि के लिए निम्न फोन नंबर एवं पते पर संपर्क करें।
संपर्क : के-2, ए ब्लॉक, कॉमर्शियल मार्केट, गोविन्दपुरम, गाजियाबाद
मो. : 9818606318 (हरीश कुमार)
8630290003 (विष्णु गुप्ता)

कोनेरू हम्पी ने विश्व रैपिड शतरंज चैंपियनशिप में जीता कांस्य पदक, पीएम नरेंद्र मोदी ने दी बधाई

- कोनेरू हम्पी ने 2019 और 2024 में खिताब जीते थे। ओपन वर्ग में अर्जुन एरिगेसी ने कांस्य पदक जीता।

नई दिल्ली। भारत की दिग्गज महिला शतरंज खिलाड़ी कोनेरू हम्पी ने दोहा में आयोजित फिड विश्व रैपिड चैंपियनशिप में कांस्य पदक जीता। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने हम्पी की इस उपलब्धि पर उन्हें बधाई दी है। पीएम मोदी ने हम्पी के समर्पण और कड़ी मेहनत की सराहना की। हम्पी ने मौजूदा चैंपियन के रूप में इस प्रतियोगिता में भाग लिया था। वह प्रतियोगिता के अंतिम दौर के बाद 8.5 अंक लेकर दो अन्य ग्रैंडमास्टर्स के साथ संयुक्त बढ़त पर थीं, लेकिन अंतरराष्ट्रीय शतरंज महासंघ (फिडे) के टाईब्रेक नियमों के कारण उन्हें कांस्य पदक से संतोष करना पड़ा। मोदी ने एक्स पर लिखा, 'दोहा में 2025 फिडे विश्व रैपिड शतरंज चैंपियनशिप में शानदार प्रदर्शन करते हुए महिला वर्ग में कांस्य पदक जीतने वाली कोनेरू हम्पी को बधाई। खेल के प्रति उनका समर्पण सराहनीय है। उन्हें भविष्य के लिए शुभकामनाएं।' प्रधानमंत्री भारतीय खिलाड़ियों का लगातार हौसला बढ़ाते रहते हैं और उनमें से कई खिलाड़ियों से व्यक्तिगत रूप से भी मिलते हैं।

पुरुषों में एरिगेसी ने जीता कांस्य

अगर हम्पी रविवार को खिताब जीत जातीं तो वह तीन विश्व रैपिड खिताब जीतने वाली पहली महिला खिलाड़ी बन जातीं। इससे पहले उन्होंने 2019 और 2024 में खिताब जीते थे। ओपन वर्ग में अर्जुन एरिगेसी ने कांस्य पदक जीता। वह विश्व के नंबर एक खिलाड़ी मैग्नस कार्लसन और रूस के ग्रैंडमास्टर व्लादिस्लाव आर्टेमिएव के बाद तीसरे स्थान पर रहे थे। अब यह खिलाड़ी विश्व ब्लिट्ज टूर्नामेंट में भाग लेंगे।

इस साल उतार-चढ़ाव भरा रहा भारतीय बैडमिंटन का सफर

नई दिल्ली। वर्ष 2025 भारतीय बैडमिंटन के लिए मिला-जुला रहा। जहां एक ओर सीनियर खिलाड़ियों को चोट, फिटनेस और फॉर्म से जूझना पड़ा, वहीं दूसरी ओर लक्ष्य सेन की खिताबी सफलता, सात्विकसाईराज रंकीरेड्डी-चिराग शेट्टी की निरंतरता और युवा खिलाड़ियों के शानदार प्रदर्शन ने भविष्य के लिए उम्मीद की मजबूत नींव रखी।

लक्ष्य सेन बने साल की सबसे बड़ी व्यक्तिगत उपलब्धि

भारतीय खिलाड़ियों की व्यक्तिगत उपलब्धियों में लक्ष्य सेन का नाम सबसे ऊपर रहा। उन्होंने ऑस्ट्रेलियाई ओपन सुपर 500 का खिताब जीतकर 2023 के बाद अपना पहला सुपर 500 खिताब हासिल किया। यह जीत दिसंबर 2024 में सैयद मोदी इंटरनेशनल सुपर 300 के बाद उनका अगला खिताब रही। इसके अलावा, लक्ष्य हांगकांग ओपन में उपविजेता भी रहे, जिससे उनके प्रदर्शन में निरंतरता देखने को मिली।

श्रीकांत की झलक, पर खिताबी सूखा बरकरार

किदाम्बी श्रीकांत ने इस सत्र में वापसी की झलक जरूर दिखाई। वह मलेशिया मास्टर्स और सैयद मोदी इंटरनेशनल में उपविजेता रहे, लेकिन खिताब जीतने में असफल रहे और लंबे समय से चला आ रहा उनका ट्रॉफी सूखा बरकरार रहा।

महिला युगल में गायत्री-त्रीसा की निरंतरता

गायत्री गोपीचंद और त्रीसा जॉली ने सैयद मोदी इंटरनेशनल में महिला युगल खिताब का सफलतापूर्वक बचाव कर अपनी मजबूत जोड़ी को साबित किया।

युवा खिलाड़ियों ने दिलाई सबसे बड़ी उम्मीद

वर्ष 2025 की सबसे सकारात्मक तस्वीर भारत की युवा पीढ़ी ने पेश की। 20 वर्षीय आयुष शेट्टी ने अमेरिकी ओपन सुपर 300 का खिताब जीता और कोदाई नाराओका, लोह कीन यू, चाउ टिएन चेन और ब्रायन यांग जैसे दिग्गजों को हराकर अपनी क्षमता का लोहा मनवाया। 16 वर्षीय तन्वी शर्मा ने विश्व जूनियर चैंपियनशिप में लड़कियों के एकल वर्ग में रजत पदक जीता। उन्होंने अमेरिकी ओपन के फाइनल में जगह बनाई और सैयद मोदी इंटरनेशनल में पूर्व विश्व नंबर एक नोजोमी ओकुहारा को हराकर सत्र की सबसे बड़ी जीत दर्ज की। तन्वी ने गुवाहाटी मास्टर्स में उपविजेता रहकर साल का समापन किया।

उन्नति हुड्डा ने विश्व जूनियर टीम चैंपियनशिप में भारत को कांस्य दिलाने में अहम भूमिका निभाई। वह ओडिशा मास्टर्स सुपर 100 जीतकर विश्व रैंकिंग में 23वें स्थान पर पहुंचीं। चीन मास्टर्स में पीवी सिंधू पर उनकी जीत ने खासा ध्यान खींचा।संस्कार सारस्वत ने गुवाहाटी मास्टर्स में अपना पहला सुपर 100 खिताब जीतकर खुद को उभरते सितारे के रूप में स्थापित किया।

दो बार की ओलंपिक पदक विजेता पीवी सिंधू के लिए 2025 चुनौतीपूर्ण रहा। वह तीन बार क्वार्टर फाइनल तक पहुंचीं, लेकिन छह बार पहले दौर और चार बार दूसरे दौर में हार झेलनी पड़ी। साल की शुरूआत में हैमस्ट्रिंग और बाद में पैर की चोट के कारण उन्हें अक्टूबर के बाद सभी बीडब्ल्यूएफ टूर्नामेंट से हटना पड़ा। एचएस प्रणय के लिए यह सत्र और भी कठिन रहा। टखने और पसली की चोटों ने उनकी तैयारी और प्रदर्शन को प्रभावित किया, जिसके चलते उन्हें कई टूर्नामेंट में शुरूआती दौर में ही बाहर होना पड़ा।

टीम इवेंट्स में भारत का प्रदर्शन निराशाजनक रहा। एशिया मिश्रित टीम चैंपियनशिप और सुदीरमन कप में भारतीय टीम उम्मीदों पर खरी नहीं उतर सकी।

सात्विक-चिराग की जोड़ी ने फिर दिखाई विश्वस्तरीय ताकत

चोट और बीमारी से सत्र की शुरूआत करने के बावजूद सात्विकसाईराज रंकीरेड्डी और चिराग शेट्टी ने खुद को भारत की नंबर एक पुरुष युगल जोड़ी के रूप में फिर स्थापित किया। इस जोड़ी ने विश्व चैंपियनशिप, पेरिस में कांस्य पदक जीता, हांगकांग ओपन और चीन मास्टर्स के फाइनल में जगह बनाई और बीडब्ल्यूएफ वर्ल्ड टूर फाइनल्स के नॉकआउट चरण में पहुंचने वाली पहली भारतीय पुरुष युगल जोड़ी बनकर साल का शानदार अंत किया।

ग्लोब सॉकर अवॉर्ड्स में किस फुटबॉलर का जलवा, रोनाल्डो-डेम्बेले या यमाल?

दुबई। दुबई में आयोजित ग्लोब सॉकर अवॉर्ड्स 2025 ने वैश्विक फुटबॉल के सर्वश्रेष्ठ चेहरों को एक मंच पर सम्मानित किया। इस भव्य समारोह में जहां क्रिस्टियानो रोनाल्डो की निरंतर प्रभावशाली मौजूदगी चर्चा में रही, वहीं रात का सबसे बड़ा पुरस्कार ओस्मान डेम्बेले ने अपने नाम किया। समारोह ने एक बार फिर दिखाया कि बीते सीजन में पेरिस सेंट-जर्मेन (ढरत्र) का दबदबा कितना मजबूत रहा।

डेम्बेले बने सर्वश्रेष्ठ पुरुष फुटबॉलर

पीएसजी के लिए शानदार और निर्णायक सीजन खेलने वाले ओस्मान डेम्बेले को बेस्ट मेल प्लेयर चुना गया। उन्होंने किलियन एम्बाप्पे, लामिन यमाल, विटिन्हा और राफिन्हा जैसे दिग्गजों को पीछे छोड़ा। पूरे सीजन में उनकी निरंतरता और मैच जिताने वाली भूमिका ने उन्हें इस अवॉर्ड का प्रबल दावेदार बना दिया।

रोनाल्डो का मिडिल ईस्ट में दबदबा बरकरार

40 वर्ष की उम्र में भी क्रिस्टियानो रोनाल्डो ने एक और अवॉर्ड अपने साथ जोड़ा। अल-नस्त्र के लिए खेलते हुए उन्हें बेस्ट मिडिल ईस्टर्न प्लेयर का सम्मान मिला। मैदान पर प्रदर्शन के साथ-साथ सऊदी अरब में उनके खेल और व्यावसायिक प्रभाव को भी इस अवॉर्ड में सराहा गया। इस श्रेणी में उन्होंने करीम बेंजेमा, रियाद महरेज और सालेम अल-दवसारी को पछाड़ा।

समारोह में पीएसजी की छाप हर स्तर पर दिखी। क्लब को बेस्ट मेल क्लब चुना गया, जबकि लुइस एनरिके को बेस्ट कोच का अवॉर्ड मिला। एनरिके को उन रणनीतियों के लिए अवॉर्ड मिला, जिनसे टीम ने घरेलू और यूरोपीय स्तर पर सफलता हासिल की। मिडफील्ड में नियंत्रण के लिए विटिन्हा को बेस्ट मिडफील्डर चुना गया, जिससे पीएसजी का दबदबा और पुख्ता हुआ। बार्सिलोना के युवा फॉरवर्ड लामिन यमाल ने बेस्ट फॉरवर्ड का खिताब जीता और अपने तेज उभार की पुष्टि की। वहीं पीएसजी के डेसायर डूए को इमर्जिंग प्लेयर चुना गया, जो भविष्य के सितारों में गिने जा रहे हैं। महिला वर्ग में आइताना बोनमाती (बार्सिलोना) को बेस्ट फीमेल प्लेयर और बार्सिलोना को बेस्ट फीमेल क्लब चुना गया। अन्य प्रमुख सम्मानों में जॉर्ज मेंडेस (बेस्ट एजेंट), लुइस कैंपोस (बेस्ट स्पोर्टिंग डायरेक्टर), नासिर अल-खेलाफी (बेस्ट स्पोर्ट्स प्रेसिडेंट) शामिल रहे। पॉल पोग्बा को बेस्ट स्पोर्टिंग कमबैक, पुर्तगाल को बेस्ट नेशनल टीम, जबकि हिदेतोशी नाकाटा और आंद्रे इनिएस्ता को लाइफटाइम अचीवमेंट से नवाजा गया।

ग्लोब सॉकर अवॉर्ड्स 2025 में विजेताओं की पूरी लिस्ट

- सर्वश्रेष्ठ पुरुष फुटबॉलर : ओस्मान डेम्बेले (PSG)
- सर्वश्रेष्ठ महिला फुटबॉलर : आइताना बोनमाती (बार्सिलोना)
- सर्वश्रेष्ठ पुरुष क्लब : PSG
- सर्वश्रेष्ठ महिला क्लब : बार्सिलोना
- सर्वश्रेष्ठ कोच : लुइस एनरिके (PSG)
- सर्वश्रेष्ठ मिडफील्डर : विटिन्हा (PSG)
- सर्वश्रेष्ठ फॉरवड : लामिन यमाल (बार्सिलोना)
- सर्वश्रेष्ठ मिडिल ईस्टर्न प्लेयर : क्रिस्टियानो रोनाल्डो (अल-नस्त्र)
- सर्वश्रेष्ठ एमर्जिंग फुटबॉलर : डेसायर डूए
- सर्वश्रेष्ठ एजेंट : जॉर्ज मेंडिस
- सर्वश्रेष्ठ स्पोर्ट्स प्रेसिडेंट : नासिर अल-खेलाफी (पेरिस सेंट-जर्मेन)
- सर्वश्रेष्ठ कंटेंट क्रिएटर : बिलाल हलाल

कोच गंभीर को मिला बीसीसीआई का समर्थन

नई दिल्ली। भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड (बीसीसीआई) के उपाध्यक्ष राजीव शुक्ला ने उन रिपोर्ट्स को खारिज किया है जिसमें दावा किया गया था कि मुख्य कोच गौतम गंभीर की कुर्सी टेस्ट प्रारूप में खतरे हैं। हाल ही में ऐसी खबरें आई थी कि दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ दो मैचों की टेस्ट सीरीज में हार के बाद बोर्ड के एक अधिकारी ने पूर्व भारतीय बल्लेबाज वीवीएस लक्ष्मण से टेस्ट टीम का कोच बनने पर बात की थी। हालांकि, बीसीसीआई के सचिव देवजीत सैकिया ने इन खबरों को बेबुनियाद बताया था और अब राजीव शुक्ला ने स्पष्ट किया है कि बोर्ड ऐसा कोई फैसला नहीं लेने जा रहा है।

गंभीर का सीमित ओवर में अच्छा रिकॉर्ड है और उनके नेतृत्व में टीम ने एक आईसीसी और एक एसीसी ट्रॉफी अपने नाम की है। लेकिन सेना देशों के खिलाफ 10 टेस्ट मैच गंवाने के बाद लाल गेंद के क्रिकेट में कोच के तौर पर गंभीर की शैली पर प्रश्न चिन्ह लगाए जा रहे हैं। न्यूज एजेंसी पीटीआई ने अपनी रिपोर्ट में दावा किया था कि बीसीसीआई में अहम पद पर मौजूद किसी ने वीवीएस लक्ष्मण से अनौपचारिक तौर पर बातचीत की थी और यह जानने की कोशिश की थी कि क्या वह लाल गेंद की टीम का कोच बनने में रुचि रखते हैं? हालांकि, यह पता चला था कि लक्ष्मण बंगलूरू स्थित सेंटर ऑफ एक्सीलेंस में हेड ऑफ क्रिकेट के पद से ही संतुष्ट हैं।

इन मीडिया रिपोर्ट्स पर राजीव शुक्ला ने स्पष्ट किया है कि गंभीर को भारतीय टेस्ट टीम के कोच पद से नहीं हटाया जाएगा। शुक्ला ने न्यूज एजेंसी एएनआई से कहा, मुख्य कोच गंभीर को लेकर मीडिया में चल रही अटकलों पर मैं स्पष्ट राय रखना चाहता हूं।

दिल्ली के लिए विजय हजारे ट्रॉफी में एक और मैच खेलेंगे कोहली, रोहन जेटली ने की पुष्टि

मुंबई। भारतीय टीम के स्टार बल्लेबाज विराट कोहली विजय हजारे ट्रॉफी में एक और मैच खेलेंगे। दिल्ली एवं जिला क्रिकेट संघ (डीडीसीए) के अध्यक्ष रोहन जेटली ने सोमवार को बताया कि कोहली रेलवे के खिलाफ छह जनवरी को होने वाले मैच में दिल्ली के लिए खेलेंगे। मालूम हो कि भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड (बीसीसीआई) ने केंद्रीय अनुबंध हासिल करने वाले सभी खिलाड़ियों के लिए विजय हजारे ट्रॉफी के कम से कम दो मैचों में भाग लेना अनिवार्य किया था।

शानदार लय में हैं कोहली

कोहली विजय हजारे ट्रॉफी के दो मैचों में हिस्सा ले चुके हैं, लेकिन वह न्यूजीलैंड के खिलाफ तीन मैचों की वनडे सीरीज से पहले दिल्ली के लिए तीसरा मैच भी खेलना चाहते हैं। डीडीसीए के अध्यक्ष रोहन जेटली ने न्यूज एजेंसी पीटीआई के साथ बातचीत में कहा, 'फिलहाल वह खेल रहे हैं। विराट ने तीन मैचों के लिए अपनी उपलब्धता की पुष्टि की है।' कोहली दिल्ली के लिए शुरूआती दो मैचों में शानदार लय में थे। उन्होंने क्रमशः 131 और 77 रन बनाए।

11 जनवरी से होगी वनडे सीरीज

कोहली ने इस दौरान लिस्ट ए क्रिकेट में सबसे कम पारियों में 16,000 रन पूरे करने का रिकॉर्ड भी कायम किया। कोहली ने 330वीं पारी में इस मुकाम को हासिल कर दिग्गज सचिन तेंदुलकर को पीछे छोड़ दिया था। तेंदुलकर ने 391 पारियों में यह उपलब्धि हासिल की थी। बीसीसीआई के एक सूत्र ने बताया कि न्यूजीलैंड सीरीज के लिए भारतीय वनडे टीम आठ जनवरी तक वडोदरा में पहुंचेगी, लेकिन कोहली अभ्यास के लिए एक दिन पहले यहां पहुंच सकते हैं। न्यूजीलैंड के खिलाफ तीन मैचों की वनडे सीरीज 11 जनवरी को इसी मैदान पर शुरू होगी। इसके लिए फिलहाल टीम घोषित नहीं हुई है, लेकिन माना जा रहा है कि जनवरी के पहले सप्ताह में भारतीय टीम का एलान हो सकता है। कोहली इससे पहले दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ तीन मैचों की वनडे सीरीज में खेले थे।

'बैटल ऑफ द सेक्सेस' में किर्गियोस की जीत

सबालेंका को हराया, बदले नियमों को लेकर टेनिस जगत में बहस तेज

नई दिल्ली। रविवार को दुबई में खेले गए एक हाई-प्रोफाइल प्रदर्शनी मुकाबले में ऑस्ट्रेलिया के निक किर्गियोस ने महिला विश्व नंबर-एक आर्यना सबालेंका को 'बैटल ऑफ द सेक्सेस' में 6-3, 6-3 से हरा दिया। यह मुकाबला टेनिस प्रशंसकों के बीच पहले से ही चर्चा का विषय बना हुआ था, खासकर इसलिए क्योंकि इसमें नियमों में बदलाव किए गए थे। हालांकि, इस मैच की तुलना 1973 के ऐतिहासिक मुकाबले से करना मुश्किल माना जा रहा है।

1973 का ऐतिहासिक संदर्भ

1973 में बिली जीन किंग और बॉबी रिग्स के बीच हुआ मुकाबला सिर्फ एक मैच नहीं था, बल्कि महिला टेनिस की पहचान और समान पुरस्कार राशि की लड़ाई का प्रतीक था। उस समय बिली जीन किंग ने 55 वर्षीय रिग्स को 6-4, 6-3, 6-3 से हराकर इतिहास रच दिया था। वह मुकाबला महिला प्रोफेशनल टूर की वैधता और सम्मान के लिए बेहद अहम था।

दुबई में हुए इस प्रदर्शनी मैच में दोनों खिलाड़ियों के लिए नियम अलग थे। दोनों खिलाड़ियों को सिर्फ एक सर्व की अनुमति थी सबालेंका के कोर्ट का आकार नौ प्रतिशत छोटा कर दिया गया, ताकि किर्गियोस की ताकत और रफ्तार को संतुलित किया जा सके

इन नियमों की वजह से कुछ फैंस ने मैच को मनोरंजक बताया, जबकि कुछ ने इसकी निष्पक्षता पर सवाल उठाए।

निक किर्गियोस पिछले तीन सीजन में सिर्फ छह एटीपी मैच खेल पाए हैं और इसी वजह से उनकी रैंकिंग गिरकर 671 पर पहुंच गई है। इसके बावजूद 30 वर्षीय किर्गियोस ने चार बार की ग्रैंड स्लैम सिंगल्स चैंपियन सबालेंका के खिलाफ अनुभव और ताकत का सही इस्तेमाल किया।

जीत के बाद किर्गियोस ने सबालेंका की जमकर तारीफ की। उन्होंने कहा, 'ईमानदारी से कहूं तो यह एक बेहद कठिन मैच था। वह जबरदस्त प्रतिस्पर्धी हैं।' उन्होंने आगे कहा, 'मुझे पूरा फोकस करना पड़ा, क्योंकि वह लगातार दबाव बना रही थीं और आखिरकार यह एक कड़ा मुकाबला साबित हुआ।'

यह मुकाबला भले ही एक प्रदर्शनी मैच था, लेकिन इसने एक बार फिर पुरुष और महिला टेनिस के बीच शारीरिक अंतर, नियमों में बदलाव और ऐसे मुकाबलों की प्रासंगिकता पर बहस छेड़ दी है। कई प्रशंसकों का मानना है कि ऐसे मैच मनोरंजन के लिए ठीक हैं, लेकिन इन्हें ऐतिहासिक मुकाबलों से तुलना नहीं की जानी चाहिए।

जब खेल से ज्यादा सुर्खियों में रहे विवाद! बवाल और हंगामों ने सबका ध्यान खींचा

नई दिल्ली। साल 2025 खेल की दुनिया के लिए यादगार जरूर रहा, लेकिन वजह सिर्फ शानदार जीत और रिकॉर्ड नहीं थे। इस साल मैदान के बाहर हुए विवाद भी खूब चर्चा में रहे। क्रिकेट, फुटबॉल और टेनिस में खिलाड़ियों ने बेहतरीन प्रदर्शन किया, लेकिन साथ ही राजनीति, खराब प्रशासन, भीड़ को संभालने में नाकामी और खेल संगठनों की गलतियों ने कई बार खेल की छवि को नुकसान पहुंचाया। इन घटनाओं से साफ हुआ कि आज का खेल सिर्फ मैच जीतने तक सीमित नहीं है, बल्कि इसका सीधा रिश्ता समाज, व्यवस्था और जिम्मेदारी से भी जुड़ा हुआ है।

एशिया कप हैंडशेक विवाद: भारत-पाकिस्तान मैच में कूटनीतिक तनाव

2025 एशिया कप के दौरान भारत और पाकिस्तान के बीच खेला गया ग्रुप ए मुकाबला एक बड़े विवाद का केंद्र बन गया। 14 सितंबर को खेले गए इस मैच में परंपरागत हैंडशेक प्रोटोकॉल का पालन नहीं किया गया। भारतीय टीम ने पहलगाम आतंकी हमले के विरोध में टॉस और मैच के बाद पाकिस्तान खिलाड़ियों से हाथ नहीं मिलाया, जिससे बवाल हो गया। पाकिस्तानी इससे बैचेन हो उठे और उन्होंने जमकर हंगामा किया।

रिपोर्ट्स के मुताबिक, मैच रेफरी एंडी पाइक्रॉफ्ट ने टॉस के समय पाकिस्तानी कप्तान को हाथ न मिलाने की सलाह दी थी, लेकिन मैच के बाद के प्रोटोकॉल की जानकारी पाकिस्तान टीम को नहीं दी गई। नतीजतन पाकिस्तानी खिलाड़ी मैदान पर खड़े रह गए और भारतीय खिलाड़ी सीधे ड्रेसिंग रूम लौट गए। पाकिस्तान क्रिकेट बोर्ड ने इसे क्रिकेट की भावना के खिलाफ बताते हुए औपचारिक विरोध दर्ज कराया।

स्मृति मंधाना की शादी रद्द: निजी जिंदगी सुर्खियों में

भारतीय महिला क्रिकेट टीम की स्टार बल्लेबाज स्मृति मंधाना की शादी भी 2025 में चर्चा का विषय बनी। संगीतकार पलाश मुछाल से उनकी प्रस्तावित शादी, जो पहले पिता की तबीयत के कारण टली थी, साल के अंत तक रद्द कर दी गई। भारत की महिला वर्ल्ड कप जीत के बाद सामने आई इस खबर ने सोशल मीडिया पर भारी चर्चा बटोरी। आधिकारिक बयान जारी कर शादी रद्द होने की पुष्टि की गई। इस दौरान साथी खिलाड़ी जेमिमा रॉड्रिग्स ने महिला बिग बैश लीग छोड़कर स्मृति का साथ दिया, जिसे खेल जगत में संवेदनशीलता और समर्थन के उदाहरण के रूप में देखा गया।

कोलकाता में मेसी का कार्यक्रम: गुस्से में बदला जश्न

फुटबॉल सुपरस्टार लियोनेल मेसी की भारत यात्रा भी विवादों से अछूती नहीं रही। कोलकाता में उनके कार्यक्रम के दौरान सॉल्ट लेक स्टेडियम में उनकी सीमित उपस्थिति से नाराज प्रशंसकों ने मैदान में कुर्सियां-बोतलें फेंकनी शुरू कर दीं। हालात संभालने के लिए सुरक्षा बलों को हस्तक्षेप करना पड़ा। इस घटना के बाद सार्वजनिक माफी जारी हुई और जांच के आदेश दिए गए। सबसे बड़ा झटका तब लगा जब राज्य के खेल मंत्री को इस्तीफा देना पड़ा, जिससे यह मामला केवल खेल आयोजन नहीं, बल्कि प्रशासनिक विफलता का उदाहरण बन गया।

अक्तूबर 2025 में विश्व पैरा एथलेटिक्स चैंपियनशिप के दौरान अलग अलग घटनाओं में कीनिया और जापान के कोच को आवारा कुत्तों ने काट लिया जिसके आयोजकों की काफी किरकिरी हुई। दोनों हालांकि करीबी अस्पताल में इलाज के बाद खतरे से बाहर बताए गए। अफ्रीकी टीम के एक अधिकारी ने बताया कि कीनियाई कोच डेनिस माराजिया जवाहर लाल नेहरू स्टेडियम में प्रतिस्पर्धा परिसर के बाहर अपने एक खिलाड़ी से बात कर रहे थे जब अचानक एक कुत्ता आया और उन्हें काट लिया। बाद में आयोजकों ने बताया कि जापान की कोच मेइको ओकुमत्सु को भी आवारा कुत्ते ने काट लिया जब वह मुख्य प्रतिस्पर्धा स्थल से सटे अभ्यास ट्रैक पर अपने खिलाड़ियों की ट्रेनिंग देख रही थी।

आरसीबी की आईपीएल जीत का जश्न बना मातम

रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु की पहली आईपीएल ट्रॉफी का जश्न चार जून 2025 को त्रासदी में बदल गया। चिन्नास्वामी स्टेडियम के बाहर भीड़ में भगदड़ मचने से कई लोगों की मौत हो गई और कई घायल हुए। जांच में भीड़ प्रबंधन की भारी चूक, मुफ्त एंट्री की अफवाह और बिना अनुमति कार्यक्रम आयोजित करने की बात सामने आई। फ्रेंचाइजी, इवेंट आयोजकों और स्टेडियम प्रबंधन के खिलाफ एफआईआर दर्ज की गई, वहीं कई वरिष्ठ पुलिस अधिकारियों को निलंबित किया गया।

नोदिरबेक से हारे गुकेश, कार्लसन से आधा अंक पीछे; नौ राउंड के बाद आर्टेमिएव और नीमैन शीर्ष पर

नई दिल्ली। फिडे विश्व रैपिड शतरंज चैंपियनशिप के दूसरे दिन चार राउंड खेले गए, नौ राउंड पूरे होने के बाद क्लासिकल विश्व चैंपियन डी गुकेश और भारत के नंबर-1 अर्जुन एरिगेसी फिलहाल मजबूत स्थिति में हैं। गुकेश और एरिगेसी 6.5 अंकों के साथ 12 अन्य खिलाड़ियों समेत संयुक्त सातवें स्थान पर हैं। शीर्ष पर रूस के व्लादिस्लाव आर्टेमिएव और अमेरिका के हंस नीमैन 7.5 अंकों के साथ संयुक्त बढ़त पर हैं।

आर्टेमिएव ने विश्व नंबर-1 और पांच बार के रैपिड चैंपियन मैग्नस कार्लसन (7 अंक) को हराकर बड़ा उलटफेर किया। कार्लसन अब चार अन्य खिलाड़ियों के साथ संयुक्त तीसरे स्थान पर खिसक गए। आर्टेमिएव ने दिन के पहले राउंड में एरिगेसी को भी मात दी थी। गुकेश ने छठे राउंड में नीदरलैंड के अनीश गिरी और सातवें में एलेक्सेय साराना से से ड्रॉ लिया। फिर आठवें में स्पेन के डेविड एंटोन को मात दी, लेकिन नौवें राउंड में उज्बेकिस्तान के पूर्व चैंपियन नोदिरवेक अब्दुसत्तोरोव से हार गए और फिसल गए।

महिला वर्ग में सात राउंड के बाद गत चैंपियन कोनेरु हंपी 6 अंक हासिल कर शीर्ष पर पहुंच गई हैं। चीन की झू जीनर के भी इतने ही अंक हैं। भारत की अन्य खिलाड़ी हरिका द्रोणावल्ली और इस साल की विश्वकप विजेता दिव्या देशमुख 5.5 अंकों के साथ 12 खिलाड़ियों के समूह में संयुक्त दूसरे स्थान पर हैं। आर. वैशाली दूसरी हार के बाद 4.5 अंकों के साथ संयुक्त 22वें स्थान पर फिसल गई।

नशे के खिलाफ निर्णायक वार: गाजियाबाद में ड्रग माफिया पर शिकंजा कसने के निर्देश

गाजियाबाद (करंट क्राइम)। जनपद को नशा मुक्त बनाने की दिशा में प्रशासन ने कमर कस ली है। जिलाधिकारी रविन्द्र कुमार माँदड़ के निर्देशन में एडीएम सिटी विकास कश्यप की अध्यक्षता में कलेक्ट्रेट स्थित महात्मा गांधी सभागार में नारको को-ऑर्डिनेशन सेंटर की महत्वपूर्ण बैठक हुई, जिसमें मादक पदार्थों की बिक्री, तस्करी और ड्रग ट्रैफिकिंग के खिलाफ अभियान को और तेज करने पर जोर दिया गया।

बैठक में एडीएम सिटी ने स्पष्ट शब्दों में कहा कि नशे के अवैध कारोबार पर किसी भी स्तर पर ढिलाई बर्दाश्त नहीं की जाएगी। अंतर्राज्यीय सीमाओं, रेलवे स्टेशन, बस स्टैंड और संवेदनशील क्षेत्रों पर कड़ी निगरानी रखते हुए ड्रग माफियाओं पर कठोरतम कार्रवाई सुनिश्चित की जाए। उन्होंने इसे जनपद की सुरक्षा और भविष्य से जुड़ा विषय बताते हुए सभी विभागों को आपसी समन्वय के साथ काम करने के निर्देश दिए।

युवाओं को नशे से दूर रखने के लिए विद्यालयों और सार्वजनिक स्थलों पर व्यापक जागरूकता अभियान चलाने, स्कूलों के आसपास गुटखा-सिगरेट की बिक्री पर सख्ती, तथा विद्यार्थियों के लिए वाद-विवाद, चित्रकला, स्लोगन और निबंध प्रतियोगिताएं आयोजित करने के निर्देश दिए गए। ड्रग इंस्पेक्टर को बिना लाइसेंस नारकोटिक्स रखने वाले मेडिकल स्टोरों पर सख्त कार्रवाई करने, वहीं जीआरपी, परिवहन और आरटीओ को सार्वजनिक परिवहन स्थलों पर विशेष निगरानी रखने के आदेश दिए गए। एडीएम सिटी ने कोडिन की अवैध खरीद-फरोख्त पर प्रभावी रोक लगाने और आगामी बैठकों में उच्च शिक्षा व श्रम विभाग को भी जोड़ने की बात कही। बैठक में स्वास्थ्य, पुलिस, नारकोटिक्स सेल, शिक्षा, समाज कल्याण सहित सभी संबंधित विभागों के अधिकारी मौजूद रहे।

दिल्ली जल बोर्ड के वरिष्ठ अधिकारी के घर चोरी का खुलासा हाउसकीपर समेत 3 शातिर चोर गिरफ्तार

नोएडा (करंट क्राइम)। थाना सेक्टर-39 पुलिस ने सेक्टर-46 में स्थित दिल्ली जल बोर्ड के एक वरिष्ठ अधिकारी के घर हुई बड़ी चोरी की वारदात का खुलासा करते हुए तीन शातिर चोरों को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने आरोपियों के कब्जे से 1.21 लाख रुपये नकद, लगभग 50 लाख रुपये की ज्वैलरी, चोरी का एक मोबाइल फोन, डीवीआर, चोरी में प्रयुक्त उपकरण तथा अवैध शस्त्र बरामद किया है।

डीसीपी जोन प्रथम यमुना प्रसाद ने बताया कि नोएडा के सेक्टर-46 स्थित ए-ब्लॉक में रहने वाले सुधीर चौहान, जो दिल्ली जल बोर्ड में वरिष्ठ अधिकारी हैं, के घर 25 दिसंबर को अज्ञात बदमाशों ने चोरी की घटना को अंजाम दिया था। चोरों ने घर से सोने-चांदी व डायमंड के कीमती जेवरात, नकदी और अन्य सामान चुरा लिया था। घटना की रिपोर्ट दर्ज होने के बाद थाना सेक्टर-39 पुलिस ने जांच शुरू की और कार्रवाई करते हुए सेक्टर-40/41 टी-प्वाइंट के पास से तीन अभियुक्तों को गिरफ्तार किया। पकड़े गए आरोपियों की पहचान संदीप पुत्र रामचरन, बाबू उर्फ ओमप्रकाश पुत्र दशरथ तथा लेखराज उर्फ साका के रूप में हुई है। डीसीपी ने बताया कि पूछताछ के दौरान खुलासा हुआ कि मुख्य आरोपी संदीप वर्ष 2017 से हाउसकीपिंग का कार्य करता था और वादी के घर में बने सर्वेंट रूम में ही रहता था। 25 दिसंबर 2025 को जब घर के मालिक अपने परिवार के साथ मुंबई चले गए, तो संदीप के मन में लालच आ गया। उसने अपने साथियों बाबू उर्फ ओमप्रकाश और लेखराज उर्फ साका को घर बुलाया।

बरामदगी:
- 1.21 लाख नकद
- करीब 50 लाख की ज्वैलरी
- मोबाइल फोन व डीवीआर
- चोरी के उपकरण और अवैध शस्त्र

खुलासा: हाउसकीपर ने साथियों के साथ मिलकर दी वारदात को अंजाम

तीनों आरोपियों ने मिलकर ग्राइंडर की मदद से अलमारियों के लॉक काटे और उनमें रखी सोने-चांदी व डायमंड की ज्वैलरी चोरी कर ली। साथ ही पहचान से बचने के लिए घर में लगे सीसीटीवी कैमरों की डीवीआर भी अपने साथ ले गए। पुलिस ने बताया कि गिरफ्तार आरोपियों के खिलाफ संबंधित धाराओं में मुकदमा दर्ज कर आगे की विधिक कार्रवाई की जा रही है।

सनातन धर्म रक्षा और राष्ट्र सुरक्षा हेतु 'धर्मसंगम' संपन्न, 2026 में होगा विराट आयोजन

गाजियाबाद, करंट क्राइम। 'समस्त सनातनी बंधुओं का दायित्व' विषय पर एक महत्वपूर्ण धर्मसंगम का आयोजन किया गया। इस सभा में हिंदू, सिख और जैन समाज की एकजुटता और राष्ट्र रक्षा हेतु कई कड़े संकल्प लिए गए। कार्यक्रम में यति नरसिंहानन्द सरस्वती और कर्नल तेजेंद्र पाल सिंह त्यागी सहित अनेक गणमान्य विचारकों ने भाग लिया।

चर्चा के मुख्य बिंदु और प्रस्ताव:

सामाजिक एकता: जातिवाद और भाषावाद को त्याग कर संपूर्ण सनातन समाज में एकजुटता लाने और धर्म परिवर्तन कर चुके लोगों की 'घर वापसी' पर बल दिया गया।

सुरक्षा और जागरूकता: युवाओं व महिलाओं में आत्मरक्षार्थ 'शत्रुबोध' जगाने और जिहादी अत्याचारों के विरुद्ध प्रमाण सहित पुस्तक प्रकाशित करने का निर्णय लिया गया।

नीतिगत मांगें: शासन से 'जनसंख्या नियंत्रण कानून' और 'समान नागरिक संहिता' (यूसीसी) लागू करने की मांग की गई। साथ ही, मंदिरों के धन का उपयोग केवल हिंदुओं के हित में करने का प्रस्ताव रखा गया।

अंतरराष्ट्रीय चिंता: बांग्लादेश और पाकिस्तान में हिंदुओं पर हो रहे अत्याचारों के विरुद्ध भारत सरकार से त्वरित और कठोर कार्यवाही की अपील की गई।

मिथ्या निवारण: मनुस्मृति और अन्य धर्मग्रंथों के विरुद्ध फैलाए जा रहे भ्रमों को दूर करने का संकल्प लिया गया।

मिशन 2026: 'विराट सनातन धर्मसंगम' : इस अभियान को राष्ट्रव्यापी बनाने के लिए 23 दिसंबर 2026 को एनसीआर में एक 'विराट सनातन धर्मसंगम' आयोजित किया जाएगा। इसके पूर्व पूरे देश में श्रीमद्भागवत गीता और रामचरितमानस के आदर्शों के प्रचार हेतु सम्मेलन किए जाएंगे।

शीइनोवेशन एसोसिएशन एवं पैरामाउंट गोल्फ फोरेस्टे द्वारा भव्य नववर्ष सांस्कृतिक कार्यक्रम 'शुभारंभ 9.0' का आयोजन

ग्रेटर नोएडा, करंट क्राइम। ग्रेटर नोएडा, उत्तर प्रदेश जनवरी 2025 – शीइनोवेशन एसोसिएशन ने पैरामाउंट ग्रुप के सहयोग से ग्रेटर नोएडा स्थित पैरामाउंट गोल्फ फोरेस्टे सोसायटी में नववर्ष के अवसर पर दो दिवसीय सांस्कृतिक कार्यक्रम 'शुभारंभ 9.0' का सफल आयोजन किया।

इस भव्य कार्यक्रम में 2,000 से अधिक दर्शकों एवं निवासियों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया। कार्यक्रम की विशेषता यह रही कि इसमें 2 वर्ष से लेकर 85 वर्ष तक के प्रतिभागियों ने मनमोहक प्रस्तुतियाँ दीं। नृत्य, संगीत और विविध सांस्कृतिक प्रस्तुतियों ने दर्शकों को मंत्रमुग्ध कर दिया और पूरे आयोजन को जीवंत बना दिया।

'शुभारंभ 9.0' ने सामुदायिक एकता, सांस्कृतिक विविधता और प्रतिभा के सुंदर संगम को प्रदर्शित किया। कार्यक्रम का सफल संचालन शीइनोवेशन एसोसिएशन की सामाजिक एवं सांस्कृतिक गतिविधियों के प्रति प्रतिबद्धता को दर्शाता है।

कार्यक्रम में शीइनोवेशन एसोसिएशन की निदेशक सुप्रिया पांडे एवं श्रेष्टा चंद्रा की गरिमामयी उपस्थिति रही। साथ ही अशोक चौधरी, गौरव सिंह, अशोक बलियान, गौरव शर्मा, मनीष चौधरी, सांगवान, नेहा यादव, सिमरनप्रीत, वर्षा नेगी, भूमिका, आर्निका एवं रश्मि सिंह की उपस्थिति ने आयोजन की गरिमा को और बढ़ाया। इस आयोजन में पैरामाउंट ग्रुप, प्रीमियम फैसिलिटी मैनेजमेंट, सीबीआरई एवं एनडीएस सिक्योरिटी सर्विसेज ने अपना शानदार योगदान दिया। मैनेजमेंट की तरफ से मुनीश शर्मा, रविंदर चौधरी एवं धीर सिंह की उपस्थिति रही।

सोसाइटी के 8 वर्ष से अधिक होने के बाद भी पैरामाउंट ग्रुप निवासियों के साथ मिलकर प्रति वर्ष इस प्रकार के आयोजन में उनका सहयोग करता है एवं आवश्यक सुविधाएँ भी उपलब्ध करवाता है। डिफेंस वारियर्स ग्रुप के अध्यक्ष विंग कमांडर योग्य राज शर्मा एवं उपाध्यक्ष कमांडेंट ऊधल सिंह द्वारा दीप प्रज्वलित कर कार्यक्रम का शुभारम्भ किया गया।

अत्यधिक सहभागिता, उत्कृष्ट प्रस्तुतियों और सफल आयोजन के साथ 'शुभारंभ 9.0' एक भव्य सफलता के रूप में संपन्न हुआ, जो भविष्य में होने वाले सामुदायिक एवं सांस्कृतिक कार्यक्रमों के लिए एक प्रेरणादायक उदाहरण बनेगा।

नयागंज में खाद्य सुरक्षा विभाग का कैंप

गाजियाबाद, करंट क्राइम : अखिल भारतीय उद्योग व्यापार मंडल के जिला कार्यालय (50 नयागंज) पर व्यापारियों की सुविधा और जागरूकता के लिए खाद्य सुरक्षा एवं औषधि प्रशासन द्वारा एक विशेष कैंप का आयोजन किया गया। इस कैंप का मुख्य उद्देश्य व्यापारियों का पंजीकरण कराना और उन्हें विभाग के कड़े नियमों से अवगत कराना था।

सहायक आयुक्त (खाद्य) एवं अभिहित अधिकारी के निर्देशन में आयोजित इस कैंप में बड़ी संख्या में व्यापारियों ने हिस्सा लिया। शिविर के दौरान छोटे व्यापारियों के लिए नए पंजीकरण किए गए और बड़े व्यापारियों के लाइसेंस बनाने की प्रक्रिया पूरी की गई। विभाग के अधिकारियों ने मौके पर ही व्यापारियों की समस्याओं का समाधान किया और फॉर्म जमा किए।

कैंप के दौरान अधिकारियों ने सख्त लहजे में व्यापारियों को सचेत किया कि खाद्य सुरक्षा मानकों का पालन न करना भारी पड़ सकता है।

बिना लाइसेंस व्यापार करने पर लगेगा 10 लाख तक का जुर्माना

अधिकारियों ने बताया कि: छोटे व्यापारी: यदि बिना पंजीकरण के व्यापार करते पाए गए, तो उन पर 2 लाख रुपये तक का जुमार्ना लगाया जा सकता है। बड़े व्यापारी: बिना लाइसेंस के कारोबार करने की स्थिति में जुमार्ने की राशि 10 लाख रुपये तक हो सकती है।

व्यापारियों को संबोधित करते हुए व्यापार मंडल के पदाधिकारियों ने इस पहल की सराहना की और सभी से समय पर अपने दस्तावेज पूरे करने की अपील की। कार्यक्रम में जिला अध्यक्ष संदीप बंसल, दिनेश सिसोदिया, मुकेश प्रजापति, मूलचंद गर्ग, अमन सिसोदिया, देवानंद कश्यप, मुकेश गुप्ता, संजय गुप्ता, मोहित गोयल और अनिल गुप्ता सहित कई प्रमुख व्यापारी नेता मौजूद रहे।

कानूनी बदलाव : अब आईपीएस की जगह बीएनएस के तहत दर्ज होंगे मुकदमे : मनमोहन शर्मा

गाजियाबाद, करंट क्राइम। भारत की आपराधिक न्याय प्रणाली में एक ऐतिहासिक बदलाव आ चुका है। अब देश में अपराधों के लिए भारतीय दंड संहिता (आईपीएस) के स्थान पर भारतीय न्याय संहिता (बीएनएस) प्रभावी हो गई है। सिविल कोर्ट गाजियाबाद में कार्यरत एडवोकेट मनमोहन शर्मा ने इस बदलाव पर प्रकाश डालते हुए आम जनता के लिए महत्वपूर्ण जानकारी साझा की है।

प्रकृति के आधार पर बदलती हैं धाराएं : एडवोकेट मनमोहन शर्मा ने बताया कि कानून में हर अपराध की गंभीरता और उसकी प्रकृति के आधार पर अलग-अलग धाराएं निर्धारित होती हैं। उन्होंने स्पष्ट किया कि नागरिकों को अब कानूनी कार्यवाही के लिए नए नियमों और धाराओं की जानकारी होना अनिवार्य है, क्योंकि पुराने नंबर अब बदल चुके हैं।

प्रमुख अपराधों में धाराओं का बदलाव कुछ इस प्रकार है:

हत्या : पहले जिसे धारा 302 आईपीएस के तहत जाना जाता था, अब वह धारा 103 बीएनएस कहलाएगी।

धोखाधड़ी : प्रसिद्ध धारा 420 IPC की जगह अब धारा 318(4) इढर ने ले ली है।

चोरी : धारा 379 आईपीएस के स्थान पर अब धारा 303(2) बीएनएस के तहत कार्यवाही होगी।

दुष्कर्म : महिलाओं के विरुद्ध इस गंभीर अपराध में धारा 376 आईपीएस की जगह अब धारा 64 बीएनएस लागू होगी।

धमकी : आपराधिक धमकी के लिए अब धारा 506 आईपीएस के बजाय नई धाराओं के प्रावधान देखने होंगे।

नवीनतम कानून की जानकारी है जरूरी : एडवोकेट मनमोहन शर्मा ने सलाह दी है कि किसी भी कानूनी विवाद या शिकायत की स्थिति में हमेशा नवीनतम भारतीय न्याय संहिता (बीएनएस) और अपराध के सटीक विवरण के आधार पर ही सही धारा की जांच करनी चाहिए। उन्होंने जोर देकर कहा कि कानूनी प्रक्रिया में पारदर्शिता और सही जानकारी ही न्याय सुनिश्चित करने का पहला कदम है।

मथुरापुर व रिठौरी के 10 किसानों को 6% आवासीय भूखंड आवंटित

नोएडा (करंट क्राइम)। सोमवार को ग्रेटर नोएडा के ग्राम मथुरापुर व रिठौरी के 10 किसानों को छह फीसदी आबादी भूखंड मिला। दादरी विधायक तेजपाल नागर और ग्रेटर नोएडा प्राधिकरण के एसीईओ सुनील कुमार सिंह ने किसानों को आवंटन पत्र सौंपा। आवंटन पत्र मिलने पर किसानों ने प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ का आभार व्यक्त किया। रिठौरी व मथुरापुर गांव के किसानों की जमीन का अधिग्रहण करने के बाद लंबे अर्से से छह फीसदी आवासीय भूखंड लंबित थे। इन किसानों ने भूखंड पाने के लिए ग्रेटर नोएडा प्राधिकरण के सीईओ एनजी रवि कुमार से गुहार लगाई थी। सीईओ ने संबंधित विभागीय अधिकारियों को आबादी भूखंड शीघ्र देने के निर्देश दिए थे। नियोजन विभाग से इन भूखंडों को नियोजित करने के तुरंत बाद छह फीसदी आबादी भूखंड विभाग की तरफ से सोमवार को मथुरापुर व रिठौरी के 10 भूखंडों का आवंटन पत्र दे दिया गया। इस अवसर पर दादरी विधायक तेजपाल नागर ने ग्रेटर नोएडा प्राधिकरण की पारदर्शी प्रक्रिया की सहराना की। भूखंड पाने वाले किसानों ने खुशी जताते हुए प्राधिकरण के प्रति आभार जताया। स्विफ्ट कार से 18 किलो माल बरामद प्राधिकरण के एसीईओ सुनील कुमार सिंह ने कहा है कि इन किसानों को जल्द ही लीज प्लान और चेकलिस्ट जारी किया जाएगा।

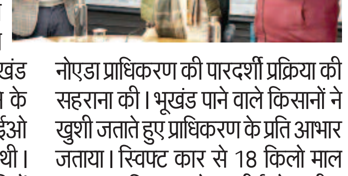

गाजियाबाद (करंट क्राइम)। राष्ट्रीय लोक दल नेता तथा वरिष्ठ अधिवक्ता अजय वीर सिंह का सोशल मीडिया पर एक अलग अंदाज रहता है। वह अक्सर अपनी पोस्ट के जरिए एक संदेश देते हैं। सर्द मौसम में गलतफहमियों को आग लगाने का एक संदेश उन्होंने अपनी पोस्ट के जरिए दिया। अजयवीर चौधरी की यह पोस्ट बनी करंट क्राइम पोस्ट ऑफ द डे।

गाजियाबाद में राकेश टिकैत का दौरा, नवतेज सिंह बने भाकियू (टिकैत) के प्रदेश सचिव

गाजियाबाद। भारतीय किसान यूनियन (टिकैत) के राष्ट्रीय प्रवक्ता और वरिष्ठ किसान नेता राकेश टिकैत बुधवार को गाजियाबाद पहुंचे। इस दौरान उन्होंने संगठन को मजबूती देते हुए नवतेज सिंह को भारतीय किसान यूनियन (टिकैत) का प्रदेश सचिव नियुक्त किया। नियुक्ति की घोषणा के बाद संगठन के कार्यकताओं में उत्साह देखने को मिला।
राकेश टिकैत ने कहा कि संगठन का लगातार विस्तार किया जा रहा है ताकि किसानों की आवाज को और अधिक मजबूती मिल सके। उन्होंने उम्मीद जताई कि नवतेज सिंह अपनी नई जिम्मेदारी को पूरी निष्ठा से निभाते हुए प्रदेश में किसानों की समस्याओं को प्रमुखता से उठाएंगे और संगठन को जमीनी स्तर पर और सशक्त बनाएंगे।

टिकैत ने कहा कि किसान आज भी कई स्तरों पर संघर्ष कर रहा है। खेती की लागत, फसल के उचित दाम, बिजली, सिंचाई और अन्य समस्याओं को लेकर किसान परेशान हैं। भारतीय किसान यूनियन किसानों के हक की लड़ाई सड़क से लेकर सदन तक लड़ती रहेगी। उन्होंने स्पष्ट किया कि संगठन किसी भी प्रकार के राजनीतिक दबाव में नहीं है और किसानों के हित ही उसकी सर्वोच्च प्राथमिकता हैं। उन्होंने कार्यकताओं से आह्वान किया कि वे गांव-गांव जाकर किसानों को जागरूक करें, उनकी समस्याएं सुनें और उन्हें संगठित रूप से मंच तक पहुंचाएं।

अनशनरत नागा साधुओं का '51 कलश' से स्नान, अफसरों से तीखी तकरार

नोएडा। नोएडा प्राधिकरण पर गौ माता को रहने की जगह और गौचर भूमि की मांग को लेकर पिछले 15 दिनों से अनशन पर बैठे नागा साधु माधव गिरी गाय वाले बाबा को मंत्रोचारण के साथ 51 कलश से स्नान कराया गया। स्नान से पूर्व नागा साधुओं व गौ-भक्तों ने प्राधिकरण की परिक्रमा किया और प्राधिकरण अफसरों की सद्बुद्धि जागने की कामना की। प्राधिकरण की परिक्रमा करते वक्त नागा साधु व गौ-भक्तों ने जोरदार प्राधिकरण विरोधी नारे भी लगाए।

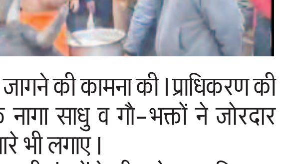

बताया जा रहा है कि इसी हंगामें के बीच नोएडा प्राधिकरण के डीजीएम विजय रावल अपनी टीम के साथ धरना स्थल पर पहुंचकर धरने वाली जगह खाली करने को कहा। इस बात का नागा साधुओं व गौ-भक्तों ने जमकर विरोध किया। नागा साधु माधवगिरी गाय वाले बाबा से इस बाबत डीजीएम विजय रावल की बहस भी हुई। विजय रावल ने प्राधिकरण पर चल रहे अनशन की जगह व ग्रीन बेल्ट की जमीन पर कब्जा करने का आरोप लगाया। जिसे माधवगिरी गाय वाले बाबा ने इन आरोपों को सरासर गलत बताया। उन्होंने कहा कि उनकी मंशा कब्जा करने की नहीं है। वे नागा साधुओं के साथ शांतिपूर्ण तरीके से अनशन पर हैं। जबकि प्राधिकरण ने साधुओं के लिए यहां कोई सुविधा नहीं दी हैं। वे यहां से चले जायेंगे, उन्हें बताया जाए कि गौ-चर भूमि कहां है ? वे गाय की सेवा करने वाले हैं।